संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 109 बुधवार 19 फरवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

CEC और EC की नियुक्ति पर फैसला आज

सीईसी और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में आज होगी सुनवाई

नई दिल्ली,18 फरवरी 2025 (ए)। सुप्रीम कोर्ट मुख्य चुनाव आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सरकार ने नियुक्तियों के लिए सुप्रीम कोर्ट के 2023 के फैसले का पालन नहीं किया, जिसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश को शामिल करने वाले पैनल की आवश्यकता थी। यह सुनवाई 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर होगी। सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियां की हैं।

19 फरवरी को प्राथमिकता आधार पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह सीईसी और ईसी की नियुक्तियों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 19 फरवरी को प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता, एक गैर-सरकारी संगठन , का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील प्रशांत भूषण ने अदालत को बताया कि सरकार ने 2023 के संविधान पीठ के फैसले की अवहेलना की है। इस फैसले में कहा गया था कि सीईसी और ईसी की नियुक्तियां एक पैनल द्वारा की जानी चाहिए जिसमें सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हों।

प्रशांत भूषण ने नियुक्तियों पर उठाए सवाल

प्रशांत भूषण ने कहा कि सरकार ने सीजेआई को शामिल नहीं करके लोकतंत्र का मजाक उड़ाया है। उन्होंने अदालत से मामले पर तत्काल विचार करने का आग्रह किया क्योंकि सरकार ने संविधान पीठ के फैसले की अनदेखी की है। उन्होंने कहा कि यह मामला 19 फरवरी के लिए सूचीबद्ध है लेकिन इसे 'आइटम नंबर' 41 के रूप में लिस्ट किया गया है। सरकार ने संविधान पीठ के दृष्टिकोण की अनदेखी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त, निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की है। कृपया इसे पहले उठाएं क्योंकि मामले पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है।

क्यों सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला

एक अन्य याचिकाकर्ता, जया ठाकुर के वकील, वरुण ठाकुर ने बताया कि सरकार ने नए कानून के तहत तीन नियुक्तियां की हैं, जिन सभी को चुनौती दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने सभी पक्षों को आश्वासन दिया कि वे कुछ जरूरी मामलों के बाद 19 फरवरी को याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे। सरकार ने सोमवार को ज्ञानेश कुमार को अगला चुनाव आयुक्त नियुक्त किया। वह राजीव कुमार के मंगलवार शाम को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद 26वें चुनाव आयक्त के रूप में शपथ लेंगे।

सीईसी और ईसी की नियुक्ति में सीजेआई शामिल क्यों नहीं

यह नियुक्ति संविधान पीठ के फैसले के बाद हुई है, जिससे विवाद खड़ा हो गया है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि नियुक्ति प्रक्रिया में प्रच्छद्ध को शामिल न करके सरकार ने कानून का उल्लंघन किया है और लोकतंत्र को कमजोर किया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता के लिए महत्वपूर्ण होगा। यह देखना होगा कि अदालत इस मामले में क्या फैसला सुनाती है।

महत्वपूर्ण खबर

ज्ञानेश कुमार बने देश के नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नईदिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। पीएम मोदी की अगुवाई वाली चयन कमेटी ने देश के नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त का चयन कर लिया है। 988 बैच के केरल कैडर के आईएएस ज्ञानेश कुमार को नया मुख्य निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आप नेता सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नईदिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन पर मुकदमा चलाने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जरूरी मंजूरी मिल गई है।

2009 बैच के इस दबंग आईपीएस अफसर का डिमोशन

जयपुर,18 फरवरी 2025(ए)। राजस्थान सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के अफसर पंकज चौधरी को तीन साल के लिए डिमोशन कर दिया है। पंकज चौधरी, जो राजस्थान कैडर के 2009 बैच के आईपीएस अफसर हैं, पर पारिवारिक विवाद के मामले में जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। राज्य सरकार ने कार्मिक विभाग की जांच के बाद उन्हें लेवल 11 की वेतन श्रृंखला से लेवल 10 की कनिष्ठ वेतन श्रृंखला में डिमोशन किया। यह पहली बार है जब राजस्थान में किसी आईपीएस अफसर का डिमोशन हुआ है।

बीवीआर सुब्रमण्यम का कार्यकाल 26 तक बढ़ा

नई दिल्ली/रायपुर,18 फरवरी 2025(ए)। केंद्र सरकार ने नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम का कार्यकाल एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया है। जो अब 24 फरवरी 26 तक रहेगा।

ममता बनर्जी ने महाकुंभ को लेकर दिया विवादित बयान

नई दिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है. हालिया भगदड़ की घटनाओं का हवाला देते हुए ममता ने महाकुंभ को मृत्यु कुंभ बताया. उन्होंने कहा कि व्हीआईपीएस को खास सुविधाएं दी जा रही हैं लेकिन गरीबों को इससे वंचित रखा जा रहा है।

बस और ट्रक में भीषण टक्कर,5 की मौत 30 घायल

चंडीगढ़,18 फरवरी 2025(ए)। पंजाब के कोटकपूरा-फरीदकोट मार्ग पर मंगलवार सुबह लगभग आठ बजे एक तेज रफ्तार निजी बस और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 30 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस रेलिंग को तोड़ते हुए गिर गई, जबकि ट्रक खेत में पलट गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अबोहर से श्री अमृतसर साहिब जा रही निजी बस कोटकपूरा से फरीदकोट की ओर रवाना हो रही थी। इसी दौरान, बस की भिड़ंत सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। टक्कर की मुख्य वजह तेज रफ्तार मानी जा रही है। हादसे के बाद बस में सवार लोग मदद के लिए चीखते हुए बाहर निकले। आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायल व्यक्तियों को निकालने में मदद की।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई 18 की मौत की जांच रिपोर्ट आई सामने

ये रहा चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे को लेकर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने के कारण यह दुर्घटना हुई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि शाम करीब 8:45 बजे घोषणा की गई थी कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 12 से रवाना होगी। कुछ समय बाद फिर से घोषणा की गई कि ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलेगी। इस बदलाव के कारण यात्री भ्रमित हो गए और भगदड़ की स्थिति पैदा हो गई।

इस समय प्लेटफॉर्म पर पहले से तीन ट्रेनों की भीड़ थी–मगध एक्सप्रेस, उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस और प्रयागराज एक्सप्रेस। यात्रियों की भीड़ प्लेटफॉर्म पर पहले से मौजूद थी और जैसे ही घोषणा हुई, यात्री फुटओवर ब्रिज के जरिए सीढ़ियां चढ़ने लगे।

इस दौरान यात्री फिसलकर गिर गए और भगदड़ मच गई। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि रेलवे ने घटना से दो घंटे पहले 2600 जनरल टिकट बेचे थे। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की तैनाती सही तरीके से नहीं की गई थी,जिससे स्थिति बिगड़ी।

चश्मदीदों का बयान आया सामने

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्टेशन पर इतनी भीड़ थी कि लोगों के लिए पैर रखने की भी जगह नहीं थी। पुलिस ने यात्रियों से कहा कि यदि आप अपनी जान बचाना चाहते हैं तो लौट जाइए।

प्रमोद चौरसिया ने बताया कि वह कन्फर्म टिकट के बावजूद भी ट्रेन में नहीं चढ़ सके, क्योंकि इतनी भीड़ थी। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रेनों के कैंसिल और लेट होने के कारण भीड़ बढ़ गई थी।

शिक्षक ने छात्रा को बनाया हवस का शिकार

अहमदाबाद,18 फरवरी 2025(ए)। गुजरात के साबरकांठा में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शिक्षक ने दसवीं की एक होनहार छात्रा को शिकार बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। रेप का शिकार छात्रा ने पिछले महीने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता में जमकर तालियां बटोरी थीं।

रणवीर इलाहबादिया पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

इनके दिमाग में गंदगी भरी है पासपोर्ट जब्त करने का आदेश

नई दिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। पॉपुलर यूट्यूबर रणवीर इलाहबादिया को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार मिली है। स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' में माता-पिता को लेकर किए गए भद्दे मजाक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सुनवाई की। कोर्ट ने इलाहबादिया की टिप्पणी पर सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए उनकी मानसिकता पर सवाल उठाए और कहा कि इनके दिमाग में गंदगी भरी है।

बीजेपी को एक साल में 4340.47 करोड़ चंदा

- कांग्रेस अब भी दूसरे पायदान में...
- आप को भी मिले इतने करोड़ रुपये...

नईदिल्ली,18 फरवरी 2025(ए)। एडीआर ने वित्त वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय दलों को मिले चंदे को लेकर रिपोर्ट जारी की है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के रिपोर्ट की अनुसार बीतें वित्तीय वर्ष में बीजेपी को सबसे ज्यादा चंदा मिला है. इस लिस्ट में कांग्रेस दूसरे पायदान में है तो वहीं आम आदमी पार्टी तीसरे नंबर पर है। हालांकि आप को मिले चंदे से ज्यादा उसने खर्च किया। एडीआर की रिपोर्ट में बताया गया कि पार्टियों को मिले चंदे का बड़ा हिस्सा चुनावी बॉन्ड से मिला है।एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने सोमवार को रिपोर्ट जारी किया. रिपोर्ट के मुताबिक वित्तीय वर्ष में 2023-24 में बीजेपी को ₹4340.47 करोड़ चंदा मिला जिसका 51 प्रतिशत हिस्सा पार्टी ने खर्च किया। वहीं कांग्रेस 1225.12 करोड़ रुपए मिले। कांग्रेस ने चंदे का कुल 83.69 प्रतिशत यानी 1025.25 करोड़ रुपए खर्च किया। इसके अलावा आम आदमी पार्टी को 22.68 करोड़ रुपए मिले। इससे ज्यादा पार्टी ने 34.09 करोड़ रुपए खर्च किया।

एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक सभी दलों को मिले कुल चंदे का 74.57 प्रतिशत हिस्सा अकेले बीजेपी को मिला है, जबकि अन्य 5 दलों को 25.43 प्रतिशत चंदा मिला है. ज्यादातर चंदा चुनावी बांड से मिला है. इसमें बीजेपी को सबसे ज्यादा 1685.63 करोड़ रुपए। कांग्रेस कांग्रेस को 828.36 करोड़ रुपए, जबकि आप को 10.15 करोड़ रुपए मिले। तीनों दलों को चुनावी बॉन्ड के जरिए 2524.1361 करोड़ रुपए, यानी कुल चंदे के 43.36 प्रतिशत रुपए मिले।

उर्दू की वकालत को लेकर बिफरे योगी आदित्यनाथ

सपाइयों को जमकर सुनाया

लखनऊ,18 फरवरी 2025 (ए)। विधानसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समाजवादी पार्टी पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की विभिन्न बोलियां, भोजपुरी, अवधी, ब्रज और बुंदेलखंडी इस सदन में सम्मान पा रही हैं और हमारी सरकार भी इन सभी के लिए अलग-अलग अकादमियों के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है। यह सदन केवल शुद्ध साहित्यिक और व्याकरण विद्वानों के लिए नहीं है... अगर कोई हिंदी में धाराप्रवाह नहीं बोल सकता, तो उसे भोजपुरी,अवधी,ब्रज या बुंदेलखंडी में भी अपने विचार रखने का अधिकार मिलना चाहिए। यह कैसी बात होती है कि भोजपुरी या अवधी न बोलें और उर्दू की वकालत करें? यह बहुत अजीब बात है। समाजवादियों का चरित्र इतना दोगला हो गया है कि वे अपने बच्चों को पब्लिक स्कूल भेजेंगे और दूसरों के बच्चों को बताएंगे कि गांव के स्कूल में पढ़ने के संसाधन नहीं हैं। यह उनका दोहरा मापदंड है।

पापा ने मम्मा को मारा,फिर टांग दिया

4 साल की बेटी ने ड्रॉइंग बनाकर खोला हत्या का राज...

झांसी,18 फरवरी 2025(ए)। पंजाब उत्तर प्रदेश के झांसी से एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 4 साल की बच्ची ने अपनी मां की हत्या का खुलासा किया है। दरअसल, झांसी के शहर कोतवाली क्षेत्र के पंचवटी शिव परिवार कालोनी में रहने वाली 27 साल की सोनाली बुधौलिया की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी. सोनाली के पति संदीप बुधौलिया ने इसे आत्महत्या बताया था लेकिन उनकी 4 की बेटी ने जो खुलासा किया उससे पुलिस भी सन्न रह गई। बच्ची ने भीड़ के बीच सादे पेपर पर ड्रॉइंग कर बताया कि पापा किस तरह से मम्मा को मारते थे. इसके बाद उसने बयान देते हुए बताया कि पापा ने मम्मा को मारकर फांसी पर लटका दिया है।

सोनाली का शव मिलने पर उसके मायके वालों ने पति और ससुरालियों पर उसे मारकर फांसी पर लटकाने का आरोप लगाया था। ऐसे में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मॉर्चरी भेजकर छानबीन शुरु कर दी थी। शाम को पोस्टमार्टम कराने के बाद मायके वाले सोनाली का शव बड़ागांव गेट बाहर शमशान घाट ले गए। यहां मायके वालों ने आरोपी पति को सोनाली का अंतिम संस्कार करने से मना करते हुए भगा दिया। साथ ही कहा कि सारी रस्में मृतका के भाई करेंगे और मुखाग्नि 4 साल की बेटी दृश्यता देगी।

बच्ची ने दी मां को मुखाग्नि

इसके बाद बेटी ने फूल और मलाएं चढ़ाकर आखिरी बार मां के शव को छुआ और मुखाग्नि देते हुए अंतिम संस्कार किया. यह दिल पिघला देने वाला नजारा देखकर वहां मौजूद लोगों को आंसू निकल पड़े।

यूपीएससी अभ्यर्थियों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

ईडब्ल्यूएस श्रेणी को मिलेगी 5 साल की आयु छूट

जबलपुर,18 फरवरी 2025 (ए)। जबलपुर हाईकोर्ट ने यूपपीएससी सिविल सेवा परीक्षा -2025 और मध्य प्रदेश शिक्षक चयन परीक्षा 2024 के मामलों में अपने ऐतिहासिक फैसलों से ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के अभ्यर्थियों को बड़ी राहत दी है। अब इन अभ्यर्थियों को अन्य आरक्षित वर्गों की तरह 5 साल की आयु सीमा छूट और 9 अटेम्प्ट का लाभ मिलेगा।यूपीएससी सीएसई-2025 के लिए आवेदन की योग्यता और आयु सीमा से जुड़ी याचिका में, वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हाईकोर्ट में पैरवी की।

संपादकीय

इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गृहमंत्री अमित शाह से भेंट करने के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सिंह 2017 में पहली दफा मणिपुर के मुख्यमंत्री बने थे। उनके नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का राज्य में यह दूसरा कार्यकाल था, परंतु राज्य में हो रही हिंसा पर नियंत्रण रखने में नाकामयाब रहने के आरोप लग रहे थे। इसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट द्वारा जातीय हिंसा में सिंह की भूमिका को लेकर आरोप लगाने वाली लीक हुई ऑडियो क्लिप की प्रमाणिकता को लेकर सील बंद फोरेंसिक रिपोर्ट मांगने के बाद ताजा विवाद शुरू हो गया। इतना ही नहीं, विपक्षी दल कांग्रेस विधानसभा सत्र के दौरान सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने को तैयार थी।बीते दो वर्षो से राज्य में मैतई समुदाय व कुकी जनजातियों के बीच चल रहे खूनी संघर्ष से निपटने में सिंह असफल ही नहीं रहे। बल्कि उन पर मैतई विद्रोहियों के समर्थन का भी आरोप है। उनके दल के ही कुछ विधायकों के मुख्यमंत्री से खासा नाराज होने और विपक्ष के संपर्क में होने की चर्चा भी जोरों से है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए भाजपा शीर्ष नेतृत्व को आनन-फानन यह निर्णय लेने को मजबूर होना पड़ा।नाराज धड़ा यदि टूटकर विपक्ष के पाले में जा मिलता तो सरकार पर संकट आना लाजमी था। जो मोदी सरकार की फजीहत करने वाला साबित होता। इधर दिल्ली सरकार में पताका फहराने का जोश मन्दा भी नहीं पड़ा था कि हिंसा से झुलस रहे मणिपुर की सत्ता पर संकट गहराता भांपते ही स्थिर पर काबू करने के लिहाज से इस्तीफे की कड़वी दवा गले उतारी गई। मणिपुर के अकेले चर्चित फुटबॉल खिलाड़ी रहे बीरेन पत्रकारिता में भी हाथ अजमा चुके हैं। खिलाड़ी और संपादक रहने के नाते उन्हें दांवपेंच का महारथी माना जाता रहा है। कुछ ही दिन पहले उनका कथित इस्तीफा भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसे फटा हुआ बताकर शरारत साबित करने की कोशिशें की गई थीं। सबसे लंबे समय तक वहां के मुख्यमंत्री रहे ओकराम इबोबी के सबसे करीबी रहने और उनसे राजनीतिक दांव-पेच सीखने वाले सिंह ने न सिर्फ उनसे बगावत की बल्कि पलटवार करते हुए सत्ता भी हासिल की।आशंका की जा सकती है कि सिंह अपने तेवर फिर दिखाने से चूकेंगे नहीं और सियासी घमासान में पुराना पैंतरा आजमाने से हिचक नहीं सकते। राज्य में शांति बहाली की प्राथमिकता को स्वीकरते हुए केंद्र को भीतरघात के प्रति चौकन्ना रहने के प्रति खास तवज्जो देनी होगी।

भूख की कड़वी सच्चाई और भोजन की बर्बादी का समीकरण

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

खाने को कूड़ा करने कुसंस्कृति

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2024 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता है। संयुक्त राष्ट्रसंघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया,टीवी और करोना 2021,23 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है। संयुक्तराष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2024 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है। जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55प्रतिशत, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24 प्रतिशत तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24 प्रतिशत भोजन बर्बाद हुआ है। पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैं। बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है। भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो ,अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो ,श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है। भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है। पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बर्बादी करते आ रहे हैं। एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बर्बादी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बर्बादी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बर्बादी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बर्बादी होती है। अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्कत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वरा शक्ति का भी निरंतर क्षरण हो रहा है । लगातार रसायनिक खादों रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण मिट्टी की गुणवत्ता तो खराब हो ही रही है। इसके अलावा पर्यावरण एवं वातावरण भी खराब होता जा रहा है एवं खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट छोड़ने से जानवरों की खाने से जानवरों को भी जीवन का खतरा बनते जा रहा है। इससे अन्य संक्रामक बीमारियां भी फैलने का खतरा बढ़ने लगा है। अनाज को अपशिष्ट के रूप में बर्बाद करने से न सिर्फ अनाज बर्बाद होता है बल्कि किसान की मेहनत जमीन का क्षरण उसमें लगने वाली सिंचाई के लिए पानी की बर्बादी एवं समय का दुरुपयोग भी माना जाता है। हमारे द्वारा जो भोजन का अपशिष्ट पदार्थ कूड़ेदान में छोड़ दिया जाता है उसकी वजह से वैश्विक अनुसंधान से यह बताया गया है की ग्रीन हाउस गैस ने 10 से 15 प्रतिशत तक का इजाफा होता है खराब पदार्थों से गैस उत्सर्जन के कारण वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का भी खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। पदार्थ को छोड़ने से वातावरण दूषित होता है एवं संक्रामक बीमारियां न सिर्फ जानवरों में बल्कि इंसानों में भी तेजी से फैलने लगती है एवं इंसान की मौत तक होने लगी है। संयुक्त राष्ट्र संघ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार यदि भोजन के अपशिष्ट पदार्थ इसी तरह थोड़े जाएंगे तो कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बढ़ सकता है एवं मनुष्य घुट घुट कर जीने के लिए मजबूर हो सकता है। भारत विशेष के संदर्भ में यह केवल देश के नागरिकों को ही सलाह दी जा सकती है कि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा गरीबी वाले देश में अनाज एवं भोजन की बर्बादी से बचें जिससे अनाज का सदुपयोग भूखे तथा जरूरतमंदों को मुहैया कराया जा सके एवं अपशिष्ट पदार्थों छोड़ने से ग्लोबल वार्मिंग तथा हानिकारक संक्रमण से बचा जा सकेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

डॉक्टर बनने के लिए क्यों देश छोड़ रहे भारतीय छात्र ?

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

क्या शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर है या कुछ और ?

घरेलू मेडिकल संस्थानों में उपलब्ध कुछ सीटों के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और इस तथ्य के कारण कि कुछ देश बहुत कम ट्यूशन फीस देते हैं, भारतीय छात्र अक्सर विदेश में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना चुनते हैं। इससे उन्हें अधिक किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा मिलती है। अन्य आकर्षक कारकों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना, निजी कॉलेजों में उच्च ट्यूशन फीस, अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पद्धतियों से परिचित होना और कुछ देशों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा शामिल हैं। इसलिए, इन छात्रों का मुख्य उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करना और भारत वापस आना है। (भले ही कुछ लोग विदेश में बसना चाहते हों, लेकिन यह प्रवृत्ति भारत में चिकित्सा प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों से बहुत अलग नहीं हो सकती है) । इसलिए, विदेशी चिकित्सा-स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने की उनकी क्षमता मुख्य चिंता है। क्या सरकार इसे समाप्त कर देगी और इसकी जगह सभी छात्रों के लिए एक परीक्षा लाएगी, चाहे डिग्री भारत से हो या विदेश से? मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

भारत छोड़ने वाले मेडिकल छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है, हर साल 30, 000 से अधिक छात्र विदेश जाते हैं। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के आंकड़ों के अनुसार, केवल 16 प्रतिशत विदेशी मेडिकल स्नातक फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन स्क्रीनिंग परीक्षा पास करते हैं। नीट प्रतियोगिता, उच्च ट्यूशन और घरेलू सीटों की कमी के कारण, भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली त्रस्त है, जिसके कारण विदेशी शिक्षा पर निर्भरता बढ़ रही है। कम ट्यूशन लागत, सुव्यवस्थित प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री के साथ, कई देश यात्रा के लिए पसंदीदा गंतव्य हैं। इन कारकों के कारण, छात्रों की बढ़ती संख्या भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रही है, जिससे यह गारंटी मिलती है कि वे अभी भी डॉक्टर बनने की अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकते हैं। आसान आवेदन और प्रवेश प्रक्रिया के कारण भारतीय छात्र अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल कोर्स को प्राथमिकता देते हैं। छात्र अंग्रेज़ी या कोई विदेशी भाषा पढ़ सकते हैं। हर साल ट्यूशन पर लगभग 200, 000 से 300, 000 रुपये ख़र्च होते हैं। कोई कैपिटेशन शुल्क की आवश्यकता नहीं है। कई अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों को विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारतीय चिकित्सा परिषद से मान्यता मिली है। छात्रों को एक बहुसांस्कृतिक सेटिंग से अवगत कराया जाता है जो उनके जीवन के अनुभवों और ज्ञान को व्यापक बनाता है। अच्छी शैक्षिक गुणवत्ता के साथ इनकी डिग्री अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार मान्यता प्राप्त है। घरेलू सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण भारतीय मेडिकल छात्र तेजी से देश छोड़ रहे हैं। भारत में छात्र भयंकर प्रतिस्पर्धा के कारण विदेशों में विकल्प तलाशते हैं, अक्सर उन देशों में जहाँ चिकित्सा नियम ढीले होते हैं।

चूँकि भारत में हर 22 आवेदकों के लिए केवल एक मेडिकल सीट है, इसलिए 20, 000 से अधिक छात्र हर साल चीन,रूस और यूक्रेन जैसे देशों में विदेश में अध्ययन करने के लिए मजबूर हैं। लेकिन कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूलों में पाठ्यक्रम की असमान गुणवत्ता से छात्रों की रोजगार क्षमता और योग्यता प्रभावित होती है। भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली तक विदेशी स्नातकों की पहुँच में देरी होती है क्योंकि उन्हें फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन पास करना होता है और इंटर्नशिप पूरी करनी होती है। बीते साल फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्ज़ामिनेशन लेने वाले 32, 000 भारतीय छात्रों में से केवल 4, 000 ही योग्य थे। इन छात्रों और परिवारों के लिए,उच्च ट्यूशन लागत, अस्थिर अर्थव्यवस्थाएँ और कुछ देशों में सुरक्षा सम्बंधी खतरे बोझ हैं। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष के कारण 24, 000 से अधिक भारतीय मेडिकल छात्रों को विस्थापित होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय नुक़सान

और अनिश्चित शैक्षणिक भविष्य हुआ। भारत में डॉक्टरों की कमी बदतर होती जा रही है क्योंकि अधिक विदेशी प्रशिक्षित चिकित्सा पेशेवर वहाँ बेहतर अवसरों के कारण विदेशों में अभ्यास करना पसंद करते हैं। चिकित्सा शिक्षा की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पहला परिवर्तन चिकित्सा सीटों की संख्या का विस्तार करना है। 2025 में 10, 000 और मेडिकल सीटें जोड़ी जाएंगी, भारत में 75, 000 अतिरिक्त सीटों का पांच साल का लक्ष्य है। वंचित क्षेत्रों में शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने के लिए किफायती मेडिकल कॉलेज स्थापित करने होंगे। नए सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने और टियर-2 और टियर-3 शहरों में एम्स के विस्तार से चिकित्सा शिक्षा तक पहुँच बढ़ी है।

उच्च गुणवत्ता वाले निर्देश और उचित लागत को बनाए रखते हुए निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। कैरिबियन और मणिपाल कॉलेज ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (नेपाल) जैसे संस्थान प्रदर्शित करते हैं कि भारतीय संस्थान पब्लिक, प्राइवेट, पार्टनरशिप मॉडल के तहत घरेलू स्तर पर विकसित हो सकते हैं। अधिक खुली प्रवेश प्रक्रियाओं और कई प्रवेश मार्गों को लागू करके नीट पर निर्भरता कम करना ज़रूरी है। चयन मानदंडों को व्यापक बनाने के प्रयास में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा ब्रिज कोर्स और वैकल्पिक प्रवेश प्रणाली का सुझाव दिया गया है। भारतीय छात्रों की सेवा के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिसरों को बढ़ावा देना होगा। आईआईटी और मणिपाल समूह के अंतर्राष्ट्रीय विस्तार से एक ऐसा मॉडल सुझाया गया है,जिसमें भारतीय मेडिकल स्कूल भारतीय नियमों के तहत अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं।

चिकित्सा शिक्षा और इंटर्नशिप को मज़बूत करने के लिए, हमें ऐसे सुधारों को लागू करना चाहिए जो उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा के प्रावधान की गारंटी देते हैं। भारतीय चिकित्सा शिक्षा को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप लाना और ग्रामीण क्षेत्रों में अनिवार्य इंटर्नशिप की आवश्यकता है। रोगी देखभाल और व्यावहारिक कौशल पर ज़ोर देने के लिए, 2019 में योग्यता-आधारित चिकित्सा शिक्षा (सीबीएमई) पाठ्यक्रम लागू किया गया था। अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, नैदानिक अनुभव और चिकित्सा संकाय प्रशिक्षण में पैसा लगाना ज़रूरी है। एम्स और एनएमसी सुधारों द्वारा मेडिकल कॉलेजों के लिए आधुनिक सिमुलेशन लैब और ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है। एकरूपता की गारंटी के लिए सरकारी और निजी मेडिकल स्कूलों का नियमित मूल्यांकन ज़रूरी है। एनएमसी द्वारा प्रशासित नेशनल एग्जिट टेस्ट (एनईएक्सटी) , भारत और विदेशों दोनों से मेडिकल स्नातकों के लिए लाइसेंसिंग परीक्षाओं को मानकीकृत करने का प्रयास करता है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में बेहतर कामकाजी परिस्थितियाँ, प्रोत्साहन और अधिक वेतन प्रदान करना आवश्यक है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) वंचित क्षेत्रों में एम्स जैसे संस्थान स्थापित करना चाहती है। प्रशिक्षण और स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना अति आवश्यक है। ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन पहल की बदौलत दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार हुआ है, जिसने 14 करोड़ से अधिक परामर्शों को सक्षम किया है। मेडिकल सीटें बढ़ाने, निजी कॉलेज ट्यूशन को नियंत्रित करने और एफएमजी एकीकरण को मज़बूत करने की तीन-आयामी रणनीति आवश्यक है। संकाय मानकों और मेडिकल सीट वितरण के सम्बंध में एनएमसी के 2023 के सुधार सकारात्मक क़दम हैं। इसके अलावा, ग्रामीण सेवा को प्रोत्साहित करना और सार्वजनिक-निजी भागीदारी बनाना भारत की स्वतंत्रता की गारंटी देते हुए गुणवत्ता और पहुँच में सुधार कर सकता है। भारत से चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस प्रवास के बारे में मेरी कोई बुरी नहीं है। भारत में, चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी है। प्रवेश की बाधाएँ तर्कहीन हैं। मुझे ऐसा लगता है कि बहुत से और छात्र डॉक्टर बनने में सक्षम हैं। भारत में और अधिक डॉक्टरों की सख्त ज़रूरत है, खासकर उन लोगों की जो देश के ग्रामीण इलाकों में काम करने के इच्छुक हैं। स्वास्थ्य सेवा में इन देशों की उपलब्धियों को देखते हुए, मध्य एशिया में चिकित्सा शिक्षा खराब नहीं है।

यदि वे भारतीय छात्रों के नामांकन का उपयोग क्षमता उपयोग बढ़ाने और अतिरिक्त आय उत्पन्न करने के लिए करते हैं, तो वहाँ के कॉलेज अधिक प्रभावी और स्थायी रूप से कार्य करेंगे। अगर इससे भारतीय छात्रों के एक समूह को डॉक्टर बनने में मदद मिलती है तो यह दोनों पक्षों के लिए जीत वाली स्थिति है। असफलता की भी संभावना है। कुछ लोग भारत में काम करने की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। कुछ उप-एजेंट या निजी ठेकेदार अधिक छात्रों को आकर्षित करने के प्रयास में कुछ प्रासंगिक जानकारी को रोक सकते हैं। तब आपातकालीन स्थितियाँ हो सकती हैं, जैसे कि चीन में कोविड-19 महामारी या यूक्रेन में युद्ध। इनके परिणामस्वरूप छात्रों के एक समूह को महत्त्वपूर्ण नुक़सान उठाना पड़ सकता है। भारत सरकार की नीति आपातकालीन स्थितियों में भी छात्रों की मदद करने में बहुत अच्छी नहीं है। विदेशों में चिकित्सा शिक्षा के सम्बंध में भारत सरकार की एकमात्र कार्यवाही भारत में अभ्यास के लिए योग्यता परीक्षा को और अधिक कठोर बनाना है। यह सवाल विवादास्पद है कि ऐसी परीक्षा कितनी कठिन होनी चाहिए। मुख्य मुद्दा यह है कि क्या भारत में पर्याप्त योग्य चिकित्सा पेशेवर हैं या क्या इसका उद्देश्य लोगों को विदेशों में चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने से रोकना है।

कविता
दीमक लगे गुलाब

घटती-घटना

लक्ष्मीनारायण सेन
खुंटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

लोग अपने में
जीने लग गए है।
अपने कहलाने वाले
लोग कहाँ रह गए है?
पराये दुख को पीना।
एक-दूजे हेतु जीना॥
पुराने चर्चे बन गए है।
धोखा खा खाकर
पाक टूट मन गए है॥
वो प्यार भरे गाने।
वो मिलन के तराने॥
आज ख़ामोश हो गए हैं।
न जाने कहाँ खो गए है?
सदियों से पलते जाते।
अपनेपन के रिश्ते नाते॥
जलकर के राख हो गए हैं।
बीती हुई बात हो गए है॥
माँ का छलकता हुआ दुलार।
प्रिया का उमड़ता अनुपम प्यार॥
मानो...
दीमक लगे गुलाब हो गए है।
हर चेहरे पर नकाब हो गए है॥
प्रेम से सरोबार जहाँ।
आज बचा है कहाँ?
सब लोग व्यस्त हो गए हैं।
अपने में मस्त हो गए हैं॥
स्वार्थ की बहती वायु।
कर रही है शुष्क स्नायु॥
हृदय चेतना शून्य हो गए हैं।
चेहरे भाव शून्य हो गए हैं॥
वो प्यार भरे नगमें।
जो जोश भर दे दिल में॥
आज अनबोल हो गए हैं।
रिश्तों के मोल हो गए हैं॥
खड़े ख़ामोश फैलाए बाहें।
चौपाल-चबूतरे सब चौराहें॥
कह रहे हैं सिसक-सिसक कर-
अपनेपन के दिन लद गए हैं।
लोग अपने में जीने लग गए हैं॥

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

पथरीली और बंजर जमीन हरी-भरी

किसी भी किसान के लिए बहुत उत्साहवर्धक स्थिति है कि पथरीली और बंजर पड़ी भूमि हरी-भरी फसलों से मुस्कराने लगे और यह उत्साह आज राजस्थान के करौली जिले के अनेक किसानों में दिखाई दे रहा है।मकनपुरस्वामी गांव (मंडरयाल ब्लॉक) के कृषक बल्लभ और विमला ने बताया कि उनके गांव में पत्थर का खनन होता रहा है और बहुत सी जमीन पथरीली होने के साथ खनन के पत्थर भी इधर-उधर बिखरे रहते हैं। गांव में पानी की बहुत कमी थी। अतः उनकी जमीन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बंजर पड़ा था।इस स्थिति में आसपास के अनेक गांवों ने चंदा एकत्र किया और फिर श्रमदान करते हुए वर्षा के बहते पानी को एक स्थान पर रोक कर जल संकट को कुछ हद तक कम किया। आगे वे बताते हैं कि इससे भी बड़ा बदलाव तब आया जब सृजन' नामक संस्था ने जल-स्रोतों से मिट्टी हटवा कर खेतों में डलवाई। इससे जल-स्रोत में गहराई आई, अधिक जल एकत्र होने लगा और खेतों का उपजाऊपन बढ़ा। खेतों की मेढ़बंदी की तो उनमें भी पानी रुकने लगा। कृषि भूमि का समतलीकरण किया गया। इस सब का मिला-जुला असर यह हुआ कि बहुत सी पथरीली बंजर भूमि पर अब खेती होने लगी। बल्लभ और विमला अपने हरे-भरे सब्जी के खेत दिखाते हुए बताते हैं कि सृजन' ने बीज, पौधों और प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण द्वारा सहायता दी। आरंभ में प्राकृतिक खेती में कुछ कठिनाई आई पर अब प्राकृतिक खेती से उत्पादित गेहूं की कीमत डेढ़ गुनी मिल रही है। विविध सब्जियों का फसल-चक्र वर्ष भर चलता रहता है, जिससे आय भी होती है और पोषण भी सुधरता है। पशुओं के गोबर और मूत्र की खाद बनाने के लिए बायो-रिसोर्स सेंटर भी उन्होंने स्थापित किया है। इसी गांव के किसान मान सिंह बताते हैं कि सृजन' ने उनके जैसे कुछ किसानों को सोलर पंप सेट लगाने में सहायता दी और कुछ अन्य को सरकारी विभागों से यह सब्सिडी सहित प्राप्त करने में सहयोग भी दिया। इनके सोलर पंप बहुत कामयाब हैं और डीजल के खर्च में भी बहुत कमी आई है, जबकि प्राकृतिक खेती के प्रसार से अन्य खचरे

में बहुत कमी आई है।इसी प्रखंड में जगदड़पुरा की महिला किसान संगठित हुई हैं, और नियमित मीटिंग कर विकास कार्य को आगे बढ़ाती हैं। यह गांव राजस्थान की सीमा पर है और थोड़ा सा आगे जाकर मध्य प्रदेश के मुरैना जिले या चम्बल क्षेत्र के बीहड़ आरंभ हो जाते हैं। अतः यहां भूमि बंजर होने का खतरा बीहड़ों के प्रसार से भी है और मिट्टी के अधिक कटाव से बीहड़ फैलते और बढ़ते हैं। गांव के किसान अपनी मेहनत से जमीन को समतल कर इस कठिन स्थिति को संभालते हैं। यहां सृजन' के प्रयासों ने किसानों की हिम्मत को बहुत बढ़ा दिया है। गांव की महिलाओं ने सामूहिक चर्चा में बताया कि पहाड़ी क्षेत्र में जल-संरक्षण कार्य सृजन' की सहायता से हुए हैं जिससे जल-स्तर में सुधार हो रहा है। भूमि का समतलीकरण और मेढ़बंदी को भी बढ़ाया गया है और प्राकृतिक खेती का प्रसार किया गया है।ऐसे विभिन्न प्रयासों से इस गांव में लगभग 25 हैक्टेयर बंजर भूमि पर खेती होने लगी है और इससे लगभग दो गुनी भूमि पर फसल की सघनता और उत्पादकता बढ़ी है। जिस भूमि पर पहले केवल बाजरा होता था, उस पर अब गेहूं, चना, सरसों और सब्जियां सब हो रहे हैं। सृजन' के माध्यम से सरकारी कृषि विज्ञान केंद्र से भी मजबूती का संबंध बना है और सिलाई की मशीन, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर आदि का लाभ मिला है। खारा पानी गांव की बड़ी समस्या है और जब जल जीवन मिशन में लगे नल से बेहतर गुणवत्ता का पानी आने लगा तो लोग बहुत प्रसन्न हुए पर किसी अन्य गांव में पानी फसल के लिए लेने हेतु पाइपलाइन तोड़ दी गई तो यहां नल में पानी आना रुक गया और लोग फिर खारा पानी पीने को मजबूर हो गए। इसी ब्लॉक में स्थित तीन पोखर गांव पथरीली भूमि और पानी की कमी के अतिरिक्त जंगली जानवरों के प्रकोप से त्रस्त रहा है।यहां की बहुत कठिन स्थितियों को देखते हुए अनेक संस्थाओं ने जल-संरक्षण का कार्य किया। हाल के समय में सृजन' ने 8 पोखर बनवाए, 18 पोखरों को गहरा किया, मेढ़ पक्की की और अन्य सुधार किए। प्राकृतिक खेती का प्रसार किया और सरकारी सहायता प्राप्त करने में सहयोग किया। इसका असर यह हुआ है कि विकट परिस्थितियों और विशेषकर जंगली पशुओं संबंधी बढ़ती कठिनाइयों के बावजूद कुछ किसान बंजर भूमि को खेती योग्य बनाने में जुटे हैं और खेत से पत्थर हटाने, समतलीकरण, उपजाऊ मिट्टी डलवाने के कार्य सृजन' जैसी संस्थाओं के सहयोग से कर रहे हैं। सपोटरा ब्लॉक में कैला देवी धार्मिक स्थल से आगे पहाड़ी वनीय क्षेत्र इस जिले में अधिक हैं। यहां के मार्ग बहुत कठिन हैं और गांव दूर-दूर तक बिखरे हुए हैं। ऐसे बड़े क्षेत्र प्राय नजर आते हैं

-भारत डोगरा-

क्षेत्र क्रमांक 2 में मतगणना में धांधली का आरोप,कांग्रेस ने की पुनःचुनाव की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 2 में मतगणना में धांधली का आरोप लगाते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने पुनः मतदान की मांग कलेक्टर से की है। इस बाबत एक ज्ञापन इस क्षेत्र से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी पारस मीरा राजवाड़े ने कलेक्टर को दिया है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष और प्रत्याशी ने शिकायत की है कि मतगणना के दौरान पंचों के मतगणना अभिकर्ता को छोड़ अन्य उम्मीदवारों के मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना कक्ष से बाहर निकाल दिया गया था। मतगणना की गणना पर्ची तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। निर्धारित प्रारूप में मतगणना की गणना पर्ची उपलब्ध कराने के बजाय हस्तलिखित प्रारूप में बनाया गया है। माझपारा और सुन्दरपुर के मतदान केंद्रों में चुनाव कर्मचारियों ने इसी प्रकार की गणना पर्ची जारी की है। कई मतदान केंद्रों से ऐसे गणना पर्ची जारी किये गए हैं जिसमें कुल मतगणना के अलावा मात्र एक निर्दलीय प्रत्याशी को प्राप्त मतों का उल्लेख है। शेष प्रत्याशियों के मतों को गणना पर्ची पर दर्ज ही नहीं किया गया है। कांग्रेस

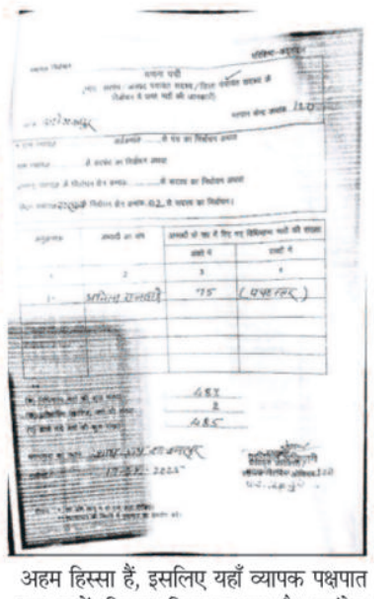

समर्थित प्रत्याशी ने आरोप लगाया है कि मतदान केंद्र पर कर्मचारी भाजपा समर्थित प्रत्याशी को विजयी बनाने के लिए पक्षपात पूर्ण ढंग से कार्य कर रहे थे। प्रत्याशी ने कहा है कि करीबी चुनाव में पिछड़ चुके भाजपा समर्थित प्रत्याशी को जितने जे लिए उनके मतों को भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पक्ष में समायोजित किया गया है। इसे प्रमाणित करने के लिए पारस मीरा राजवाड़े ने इंद्रपुर मतदान केंद्र से जारी पर्ची को संलग्न किया है जिसमें मात्र निर्दलीय प्रत्याशी को मिले मतों का उल्लेख है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने आरोप लगाया है कि भाजपा समर्थित प्रत्याशी के पति चूंकि भाजपा सरकार के अहम हिस्सा हैं, इसलिए यहाँ व्यापक पक्षपात कर उन्हें विजय दिलाया गया है। कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी ने इस धांधली के विरुद्ध पुन- मतदान की मांग कलेक्टर से किया है। ऐसा नहीं होने पर उच्च न्यायालय में इस निर्वाचन और उसकी प्रक्रिया को चुनौती देने का फैसला लिया गया है।

चुनाव जीतने के बाद राधा रवि ने किया भाजपा में प्रवेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सरगुजा क्षेत्र क्रमांक 6 से विजय प्राप्त करने वाली राधा रवि ने भाजपा का दामन थाम लिया है। भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के नेतृत्व तथा भाजपा पूर्व जिला अध्यक्ष एवं ओबीसी मोर्चा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश, युवा आयोग प्रदेश अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर की उपस्थिति में राधा रवि ने आज भाजपा में प्रवेश किया। नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य राधा रवि का भाजपा में प्रवेश पर भाजपा नेता व पदाधिकारीयों ने उनका स्वागत करते हुए बीजेपी संगठन के और मजबूत होने की बात कही है। उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत खम्हारिया उदयपुर निवासी राधा रवि प्रदेश कांग्रेस में पदाधिकारी रह चुकी है, 2019-20 के चुनाव में जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 से जीत हासिल करते हुए सदस्य चुनी गई हैं तथा अनुसूचित जाति रविदास समाज में प्रदेश महासचिव के रूप में समाज के लिए अपना विशेष योगदान देती आ रही हैं।राधा रवि सहकारिता एवं फूड कॉरपोरेशन में सभापति पद पर भी आसीन हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राधा रवि ने अपने भाजपा प्रवेश पर खुशी जताते हुए कहा कि सरगुजा जिले में निगम चुनाव के बाद पंचायत चुनावों में भाजपा के पक्ष में भारी जनादेश बस यूं ही प्राप्त नहीं हुआ, इसके लिए भाजपा जिलाध्यक्ष की सकारात्मक भूमिका, मजबूत भाजपा संगठन, भाजपा की जनकल्याणकारी योजना और विकास, नारी शक्ति को महत्व देने जैसी अनेक बातें हैं, जिससे मैं बेहद प्रभावित हूं।

प्रथम चरण हुए 7 सीटों का परिणाम जारी,तीन सीटों पर भाजपा व दो पर कांग्रेस का कब्जा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

सरगुजा में पहले चरण में जिला पंचायत सदस्य के लिए क्षेत्र क्रमांक 1 से 7 तक चुनाव हुआ। जिसमें क्षेत्र क्रमांक 1 में 2 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। जिसमें भाजपा समर्थित प्रत्याशी दिव्या सिंह सिसोदिया ने 13 हजार मतों से जीत दर्ज की है। दिव्या सिसोदिया भाजपा सरगुजा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया की पत्नी हैं। वहीं क्षेत्र क्रमांक 2 में 4 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इसमें भाजपा समर्थित प्रत्याशी पायल सिंह तोमर ने करीब 2 हजार मतों से जीत दर्ज की है। वह युवा आयोग अध्यक्ष विश्वविजय सिंह तोमर की पत्नी हैं। वहीं क्षेत्र क्रमांक 3 में 6 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। यहां से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी अनिमा केरकेट्टा ने करीब 6 हजार मतों से जीत दर्ज की है। क्षेत्र क्रमांक 4 लखनपुर प्रथम से कांग्रेस समर्थित मोनिका पैकरा ने करीब 7 हजार मतों से जीत दर्ज की है। यहां से पूर्व सांसद कमल भान सिंह के बेटे

देवेन्द्र सिंह सहित 9 प्रत्याशी मैदान में थे। वहीं क्षेत्र क्रमांक 5 लखनपुर द्वितीय से भाजपा समर्थित प्रत्याशी विजय अग्रवाल ने जीत दर्ज की है। क्षेत्र क्रमांक 6 से राधा रवि ने जीतीं हैं। वहीं क्षेत्र क्रमांक 7 से निर्दलीय चुनाव लड़ीं रैमुनिया देवी ने जीत दर्ज की है।

सूने मकान में घुसकर 70 हजार नगदी सहित 5 लाख की चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम खैरबार में सोमवार की रात चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने सूने मकान का ताला तोडक़र 70 हजार रुपए नकदी व सोने-चांदी का जेवरात पार कर दिया है। कुल चोरी लगभग 5 लाख रुपए की बताई जा रही है। सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की है। वहीं पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना कर रही है।

जानकारी के अनुसार रोहित गुप्ता पिता दीपक प्रसाद गुप्ता कोतवाली थाना क्षेत्र के खैरबार का रहने वाला है। इसका पूरा परिवार बिहार एक कार्यक्रम में गया हुआ है। घर में केवल रोहित व उसके पिता थे। सोमवार की रात को रोहित अपने पिता के साथ खाना खाने पुलिस लाइन अपने आरक्षक भाई के घर गया था। खाना खाकर दोनों रात करीब 8.45 बजे घर पहुंचे तो घर के अंदर लाइट जल रहा था। घर के मुख्य दरवाजा खोलकर अंदर गया तो 10 फिट के बाउंड्री पर एक लडक़ा

बैठा था। जो रोहित व उसके पिता को देखते ही बाउंड्री कूदकर भाग गया। इसके तुरंत बाद एक और युवक घर के अंदर से निकला और बाउंड्री कूदकर भाग गया। इस दौरान रोहित दोनों का पीछा भी किया पर अंधेरे का फायदा उठाकर दोनों खेत से होते हुए फरार हो गए। पिता-पुत्र जब घर के अंदर जाकर देखा तो कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी के लॉक को तोडक़र 70 हजार रुपए नकदी, सोने का 2 नग अंगूठी, 2 नग मंगलसूत्र, 4 नग कान की बाली, 2 नग नथिया, 1 नग टिका एवं चांदी के 4 जोडी पायल, 3 जोड़ी बिछिया सहित अन्य जेवरात नहीं था। कुल चोरी लगभग 5 लाख रुपए की बताई जा रही है। रोहित ने मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। वहीं घर में लगे सीसीटीवी फुटेज में वारदात को अंजाम देते दो युवक कैद हुए हैं। दोनों युवक शाम करीब 7.30 बजे घर के मुख्य गेट को फांदकर घुसे हैं और वारदात को अंजाम दिया है। मामले में पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सडक़ हादसे में पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत,पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले में एक भीषण सडक़ हादसे में पिता-पुत्र की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा ग्राम कोल्हुआ के पास हुआ, जहां पिकअप और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पिकअप चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही वाड्रफनगर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग सडक़ सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन का दूसरा चरण 20 फरवरी को...

- जिले के जनपद पंचायत सीतापुर एवं मैनपाट में होगा मतदान
- कलेक्टर ने मैनपाट पहुंचकर मतदान पूर्व तैयारियों का जायजा लिया,व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने दिए निर्देश
- सामग्री वितरण एवं मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन अंतर्गत जिले में मतदान का दूसरा चरण जनपद पंचायत सीतापुर एवं मैनपाट में 20 फरवरी को होना है। जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, सुबह 7 बजे जनपद मुख्यालय से मतदान दलों को सामग्री वितरण कर पोलिंग बूथ के लिए रवाना किया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री विलास भोसकर ने जनपद पंचायत मैनपाट के मतदान सामग्री वितरण स्थल एवं विभिन्न मतदान केंद्रों में पहुंचकर मतदान पूर्व तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मतदान दलों की व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, वाहन व्यवस्था,मतदान केंद्र में पर्याप्त टेबल कुर्सी सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन कर समय पूर्व सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची और स्ट्रांग रूम का अवलोकन किया।

गौरतलब है कि जनपद पंचायत मैनपाट क्षेत्र में दूसरे चरण में जिला पंचायत के लिए दो, जनपद के लिए 17, सरपंच के लिए 44 एवं 643 पंच के लिए पद हैं। मतदाताओं की संख्या 54396 है। जिसमें 27252 महिला, 27144 पुरुष मतदाता हैं।

इसी तरह जनपद पंचायत सीतापुर में जिला पंचायत के लिए दो, जनपद के लिए 15, सरपंच के लिए 42 पद हैं एवं पंच पद 676 हैं। जनपद क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या कुल 67322 है। जिसमें 34503 महिला, 32818 पुरुष एवं 01 अन्य मतदाता हैं। पंचायत निर्वाचन अंतर्गत दूसरे चरण के मतदान हेतु प्रातः 07 बजे से मतदान दलों को मतदान सामग्री वितरण कर पोलिंग बूथ के लिए रवाना किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्रामीण की मौत

अंबिकापुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

रजपुरी व लहपटरा के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से एक ग्रामीण गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जीवन मानिकपुरी उम्र 55 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जुनाडीह का रहने वाला था। वह सोमवार की देर रात मतदान केन्द्र से अपने घर जा रहा था। तभी रजपुरी व लहपटरा के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉनेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुताई के दौरान सीढ़ी से गिरकर जख्मी मजदूर की मौत

अंबिकापुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

स्कूल की पुताई करने के दौरान एक मजदूर सीढ़ी से नीचे गिर गया था। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उत्तम पिता स्व. राजेन्द्र प्रसाद यादव उम्र 35 वर्ष ग्राम सरगा थाना सीतापुर का रहने वाला था। पह 16 फरवरी को मजदूरी करने गया था और सरगा स्कूल की पुताई कर रहा था। इस दौरान सीढ़ी से उसका पैर फिसल गया और नीचे गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

तेज रफ्तार इनोवा की टक्कर से बाइक सवार किशोर की मौत

- संवाददाता -
बतौली,18 फरवरी 2025
(घटती-घटना)।

बतौली में एनएच 43 पर देर शाम तेज रफ्तार इनोवा की टक्कर से बाइक सवार एक किशोर की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार बगीचा क्षेत्र के लोग अपने परिचित के पंच चुनाव में जीत हासिल होने पर इनोवा वाहन से लमगांव स्थित मंदिर आए थे। यहां से पूजा करने के बाद देर शाम को वापस लौट रहे थे। इसी दौरान एनएच 43 पर बतौली में होंडा शो रूम के पास इनोवा चालक ने

बाइक सवार दो किशोरों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि एक किशोर उछलकर गिरा और ट्रक के पहिए के नीचे आने से उसकी मौके पर मौत हो गई और उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं बाइक में भी आग लग गई। इधर एयरबैग खुल जाने से इनोवा सवार लोगों की जान बच गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तब तक बाइक जलकर खाक हो गई थी। पुलिस ने घायल किशोर को शांतिपारा अस्पताल भेजा, इसका इलाज जारी है। वहीं मृतक के शव को भी अस्पताल के मरच्यूरी में रखवाया है। बताया जा रहा है कि मृतक व घायल गहिला के निवासी हैं।

सऊदी अरब में अमेरिका और रूस की उच्च स्तरीय बैठक,यूक्रेन युद्ध समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा

रियाद,18 फरवरी 2025। रूस और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों ने आपसी संबंधों को सुधारने और यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत शुरू की। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने सऊदी अरब में मुलाकात की। इसमें रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और उनके अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो भी शामिल हुए। दोनों देशों के अधिकारियों ने अपने द्विपक्षीय संबंध सुधारने और यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के रास्ते पर काम करने पर सहमति जताई।

सीबीएस न्यूज की खबर के मुताबिक,ट्रंप प्रशासन ने रूसी अधिकारियों के साथ उच्च-स्तरीय बैठक करने के लिए सहमति देकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कुछ हद तक जीत दिला दी है। रूस ने ही 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर आक्रमण शुरू किया था। इस बैठक में शामिल होने के लिए यूक्रेनी अधिकारियों को कोई निमंत्रण नहीं दिया गया था, जिससे यूक्रेनी नेता भावना आहत महसूस कर सकते हैं।

रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि बनाएंगे परामर्श तंत्रः टैमी ब्रूस

बैठक के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने

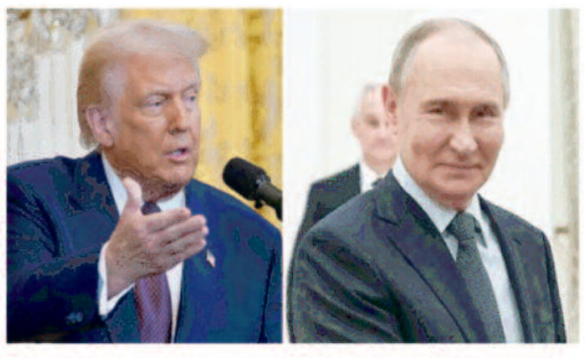

पत्रकारों को बताया कि रूस और अमेरिका के प्रतिनिधि एक परामर्श तंत्र बनाएंगे, जो दोनों देशों के संबंधों में पैदा होने वाली समस्याओं को सुलझाने का काम करेगा। इसके साथ ही दोनों देशों के दूतावासों में नई नियुक्तियां की जाएंगी, ताकि दूतावासों का काम सामान्य रूप से चलता रहे और भविष्य में इस बातचीत को जारी रखा जा सके।

बिना यूक्रेन को शामिल किए कोई समझौता स्वीकार नहीं- जेलेंस्की

इस बैठक को लेकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सरकार बिना यूक्रेन के शामिल हुए किसी भी समझौते को स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि यूक्रेन को छोड़कर हुए किसी भी समझौते से उनके देश के लोग निराश हैं और धोखा महसूस कर रहे हैं।

रूस और अमेरिका के अधिकारियों ने बैठक के दौरान यूक्रेन में संघर्ष को खत्म करने के लिए एक स्थायी, टिकाऊ और सभी पक्षों को स्वीकार्य रास्ता ढूंढने की योजना पर चर्चा की। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज और विशेष दूत स्टीव विटफोक भी इस बैठक में शामिल हुए। इस बैठक को यूक्रेन और रूस के बीच संघर्ष को खत्म करने के लिए अहम माना जाता है। इससे अमेरिका और रूस के बीच संबंधों की एक नई शुरुआत हो सकती है।

शनिवार को रिहा होंगे इस्राइल के छह और इस्राइली बंधक,हमास नेता ने जारी किया बयान

गाजा सिटी, 18 फरवरी 2025। हमास के एक नेता ने कहा कि चरमपंथी समूह शनिवार छह जीवित इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा। इससे पहले गुरुवार को चार बंधकों के शवों को लौटाया जाएगा, जिन बिबास परिवार के शव भी होंगे। बिबास परिवार इस्राइल के लिए युद्ध में दुख और तकलीफ का प्रतीक बना है। एसोसिएटेड प्रेस ने यह जानकारी दी।

शिरी बिबास और उनके दोनों बेटे अरियल और कफीर को सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद बंधक बना लिया गया था। इनका हाल भी बाकी बंधकों की तरह था। ये भी उनकी तरह असहाय महसूस कर रहे थे। इस्राइल इसको लेकर चिंतित है कि उनके साथ क्या हो रहा है। उसने अभी तक पुष्टि नहीं की है कि वह जीवित हैं या नहीं।

हमास नेता खलील अल-हया ने मंगलवार को प्री-रिकॉर्डेड बयान में इस फैसले की घोषणा की। अल-हया ने कहा कि बिबास परिवार के शव भी उनमें शामिल हैं, जिन्हें गुरुवार को वापस किया जाएगा। हालांकि उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी।

शनिवार को रिहा किए जाने वाले छह बंधक गाजा में संघर्षविराम के पहले चरण के तहत रिहा होने वाले आखिरी जीवित बंधक होंगे। इससे पहले उम्मीद जताई जा रही थी कि शनिवार को तीन बंधक रिहा किए जाएंगे। हालांकि, हमास ने इस योजना में बदलाव क्यों किया है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

पुलिस वैन पर आतंकी हमला,जवाबी कार्रवाई में दहशतगर्द ढेर,अशांत उत्तर-पश्चिम में चार सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद, 18 फरवरी 2025। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक मोबाइल पुलिस वैन पर हथगोले से हमला किया गया। हमले में एक आतंकवादी मारा गया और एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। मंगलवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। हमला कोहाट जिले के शादीपुर इलाके में हुआ। हमले में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया, जबकि जवाबी गोलीबारी में एक आतंकवादी मारा गया। रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि हमले के बाद कई

आतंकवादियों को गिरफ्तार भी किया गया। गिरफ्तार आतंकवादियों के पास से हथगोले और अन्य हथियार बरामद किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के पीछे आतंकवादियों के बारे में और खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

इस बीच एक अन्य घटना में आतंकवादियों ने रात में सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया, जो देश के अशांत उत्तर-पश्चिम में सहायता ट्रकों पर पहले हुए हमले का जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, जिसमें चार सैनिक मारे गए। हमला सोमवार को सहायता ट्रकों के काफिले पर हमले का जवाब देने के लिए अतिरिक्त बल भेजे जाने के कुछ घंटों बाद हुआ। ट्रकों पर हमले में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले में एक ड्राइवर और सुरक्षा अधिकारी मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं फिलीपींस की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे,महाभियोग को रद्द करने की मांग की

मनीला,18 फरवरी 2025। महाभियोग का सामना कर रहीं फिलीपींस की उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे सुप्रीम कोर्ट पहुंची हैं। उन्होंने कोर्ट से महाभियोग को रद्द करने और सीनेट में होने वाली सुनवाई को रोकने की मांग की है। पांच फरवरी को राष्ट्रपति फर्डिनांड मार्कोस जूनियर की हत्या की साजिश रचने, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल रहने और विवादित दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस की सेना के खिलाफ चीन की आक्रामक कार्रवाई की निंदा करने में विफल रहने के आरोप में प्रतिनिधि सभा के सांसदों ने महाभियोग लगाया था।

उपराष्ट्रपति सारा डुटेर्टे ने अपने वकीलों के जरिये 15 सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट से महाभियोग को रद्द करने और मुकदमा रोकने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह दोषपूर्ण और सांविधानिक तौर पर कमजोर और गलत है। डुटेर्टे के वकील ने बताया कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ शिकायत को इतनी जल्दी सीनेट को भेज दिया गया कि कई सांसद हस्ताक्षर करने से पहले उसे पढ़ ही नहीं सके।

उन्होंने कहा कि यह सब डुटेर्टे को 2028 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने से रोकने के लिए जा रहा है। यह एक राजनीतिक उत्पीड़न है। सदन के सांसदों का पर्याप्त समर्थन मिलने के बाद महाभियोग की शिकायत को सीनेट को भेजने का आदेश दिया गया, जो जून में एक महाभियोग न्यायाधिकरण के रूप में कार्य करेगी और उपराष्ट्रपति के खिलाफ मुकदमा चलाएगी। इसके बाद पह सार्वजनिक पद पर नहीं रह सकेंगीं।

नेशनल हाईवे 130 में अज्ञात वाहन की ठोकर में बाइक सवार युवक की मौत जांच में जुटी पुलिस

- संवाददाता -
लखनपुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के अंबिकापुर बिलासपुर नेशनल हाईवे 130 स्थित लहपटरा और रजपुरी कला के मध्य स्थित कमल फ्यूल के समीप सोमवार की देर रात लगभग 11 बजे अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 40 वर्षीय युवक की मौत हो गई। 18 फरवरी दिन मंगलवार की शाम लगभग 4:30 बजे मिली जानकारी के मुताबिक जीवन दास उम्र 40 वर्ष ग्राम जूनाडीह निवासी सोमवार की रात लगभग 11बाइक सवार में सवार होकर अंबिकापुर किसी कार्य के लिए जा रहा था जैसे ही वह कमल फूल के पास पहुंचा विपरीत दिशा से आ रहे हैं अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को चपेट में ले लिया जिससे बाइक सवार युवक के सर में गंभीर चोटें आई। राहगीरों के द्वारा डायल 112 और

एंबुलेंस 108 को फोन किया गया सूचना पर एंबुलेंस 108 की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को राहगीरों की मदद से एंबुलेंस 108 में उपचार हेतु लखनपुर अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया सर में गंभीर चोट होने के कारण अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया जब तक घायल अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचता तब तक युवक की मौत हो चुकी थी जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित किया और शव को मर्चुरी में रखवाया ।

18 फरवरी दिन मंगलवार की दोपहर लगभग 2 बजे शव का पोस्टमार्टम करा परिवारजनों को सुपुर्द किया गया। मृतक युवक का नाम जीवन दास पिता खुखड़ी उम्र 40 वर्ष ग्राम जूनाडीह थाना लखनपुर निवासी बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घटना के बाद से परिवार जनों में शोक का माहौल व्याप्त है।

इस्राइल-हिजबुल्ला युद्धविराम के बाद लेबनान में लोगों का घर लौटना शुरू,इस मुद्दे पर अभी भी तनाव

बेरूत,18 फरवरी 2025। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच हुए युद्धविराम समझौते के बाद मंगलवार को दक्षिणी लेबनान में लोगों ने अपने-अपने घर लौटना शुरू कर दिया। दक्षिणी लेबनान का इलाका हिजबुल्ला का गढ़ माना जाता है। नवंबर में इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच युद्धविराम समझौता हुआ था, लेकिन हाल तक भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैनिक तैनात थे। अब इस्राइली सैनिकों की वापसी के बाद लेबनान के सैनिक उनकी जगह तैनात हो गए हैं।

लेबनान की सेना ने पहले इलाके की जांच की और फिर सड़कों पर इस्राइली सैनिकों द्वारा लगाए गए अवरोधों को हटाया। हालांकि खबर लिखे जाने तक लोगों को अपने-अपने घर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी क्योंकि लेबनान की सेना इलाके में विस्फोटकों की जांच कर रही थी। इस्राइली सेना ने भी ड्रोन के जरिए हालात पर निगरानी रखी। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच भले ही युद्धविराम हो गया है, लेकिन अभी भी एक मुद्दे को लेकर दोनों पक्षों में तनाव है। दरअसल इस्राइली सेना ने पांच रणनीतिक तौर पर अहम पोस्ट खाली नहीं किए हैं। इस्राइल का कहना है कि वे इन पोस्ट से निगरानी जारी रखेंगे ताकि हिजबुल्ला आगे इस्राइल पर हमले न कर सके।

वहीं हिजबुल्ला द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है और उनकी मांग है कि इस्राइली सेना पूरी तरह से लेबनान से हट जाए। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने बताया कि इस्राइली सेना बफर जोन में पांच रणनीतिक ठिकानों पर कब्जा कायम रखेगी। साथ ही अपनी सीमा में भी सुरक्षा चौकसी को बेहतर किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हमास के इस्राइल पर हमले के बाद हिजबुल्ला ने भी हमास के समर्थन में इस्राइल पर हमले शुरू कर दिए थे। इसके बाद बीते साल अक्तूबर में इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ पूर्ण युद्ध की शुरुआत कर दी।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025

प्रथम चरण में तीनों विकासखंड में 85.56प्रतिशत हुए मतदान

- गांव सरकार बनाने में मतदाताओं ने निभाई अपनी जिम्मेदारी
- 19 फरवरी को पंच, सरपंच एवं जनपद पंचायत सदस्यों को मिलेगा प्रमाण-पत्र
- 20 फरवरी को जिला पंचायत के विजेता प्रत्याशियों को मिलेगा प्रमाण पत्र

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2025 के प्रथम चरण के मतदान हेतु जिले के तीन विकासखंडों में अम्बिकापुर, लखनपुर और उदयपुर सहित 228 ग्राम पंचायतों में 567 मतदान केंद्र स्थापित किए गए थे। मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए 2,835 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया था। ग्रामीण मतदाताओं ने उत्साह पूर्वक मतदान कर अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी का निर्वहन किया। पंच सरपंच एवं जनपद सदस्य के विजयी प्रत्याशियों को जनपद पंचायत मुख्यालय में 19 फरवरी को प्रमाण पत्र प्रदाय किए जाएंगे। इसी प्रकार जिला पंचायत सदस्य के विजयी प्रत्याशियों को 20 फरवरी को कलेक्ट्रेट कम्पोजिट बिल्डिंग में प्रदाय किया जाएगा।

प्रथम चरण के मतदान का अंतिम विवरण इस प्रकार

जनपद पंचायत अम्बिकापुर में कुल 107868 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 54,521 महिलाएं और 53,347 पुरुष शामिल थे। मतदान प्रतिशत 84.54% रहा। जनपद पंचायत उदयपुर में कुल 52,892 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 26,313 महिलाएं और 26,579 पुरुष शामिल थे। इस प्रकार मतदान प्रतिशत 86.96% रहा।

जनपद पंचायत लखनपुर में कुल 74257 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 37,074 महिलाएं और 37,183 पुरुष शामिल थे। इस प्रकार 86.13% प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

प्रथम चरण के निर्वाचन में तीनों विकासखंडों में कुल 235017 मतदाताओं ने मतदान किया, जिसमें 117908 महिलाएं, 117109 पुरुष मतदाता ने मतदान किया। इस प्रकार कुल मतदान प्रतिशत 85.56% रहा।

प्रथम चरण के पंचायत निर्वाचन में मतदाताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। अब दूसरे चरण का मतदान जनपद पंचायत सीतापुर एवं मैनपाट में 20 फरवरी को एवं तीसरे चरण का मतदान जनपद पंचायत लूण्ड्रा एवं बतौली में 23 फरवरी को सम्पन्न होना है।

नक्शा परियोजना के शुभारंभ के साथ अंबिकापुर में डिजिटल भू-प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम

- ड्रोन सर्वे से भूमि विवादों का समाधान और सम्पत्ति रिकॉर्ड में होगी पारदर्शिता
- सिटी सर्वे अंबिकापुर हेतु नक्शा परियोजना का शुभारंभ
- ड्रोन सर्वे से शहरवासियों की भू-सम्पत्तियों का रिकॉर्ड होगा दुरूस्त, सम्पत्ति विवाद भी होगा निपटान
- केन्द्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने नक्शा परियोजना का किया वर्चुअल शुभारंभ
- अंबिकापुर में सरगुजा सांसद सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि-अधिकारी भी हुए शामिल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह ने मध्यप्रदेश के रायसेन से नक्शा परियोजना का शुभारंभ किया।इस परियोजना के तहत अंबिकापुर नगर निगम में ड्रोन सर्वे के माध्यम से शहरी भू-सम्पत्तियों का सटीक रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा, जिससे सम्पत्ति विवादों का समाधान तेजी से हो सकेगा।

इस अवसर पर अंबिकापुर के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज, राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, कलेक्टर श्री विलास भोसकर, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक एवं नगर निगम कमिश्नर श्री डी. एन. कश्यप समेत कई अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि इस परियोजना से शहरी क्षेत्र में भूमि प्रबंधन में सुधार होगा और सम्पत्तियों के स्वामित्व से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होगा। उन्होंने यह भी बताया कि ड्रोन तकनीक के जरिए सम्पत्तियों का हवाई सर्वे कर फोटो और वीडियो डेटा एकत्र किए जाएंगे, जिसका उपयोग भविष्य में सरकारी दस्तावेजों और भूमि रिकॉर्ड की सटीकता को बढ़ाने में किया जाएगा।

यह परियोजना देश के 26 राज्यों और तीन केन्द्र शासित प्रदेशों के 141 जिलों में लागू की जा रही है, और अंबिकापुर, जगदलपुर तथा धमतरी को इसके लिए चुना गया है। इस परियोजना के तहत पहले चरण में अंबिकापुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का ड्रोन सर्वे किया जाएगा, और अगले चरण में आंकड़ों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि नक्शा परियोजना के तहत अंबिकापुर नगर निगम को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शामिल करना हमारे लिए बड़ी खुशी की बात है। इस डिजिटल तकनीक से भू-राजस्व संबंधी समस्याएं दूर होंगी और ड्रोन के माध्यम से काम करने से अच्छे परिणाम मिलेंगे। इससे भूमि के हर इंच का सही हिसाब मिलेगा, जिससे सभी लोगों को लाभ होगा। अंबिकापुर के शहरी क्षेत्र में सर्वे किया जाएगा और डिजिटल क्रांति की शुरुआत हो गई है। अब हमारे पास हमारी संपत्ति का डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा। इससे एक ओर जहां भूमि विवादों में कमी आएगी, वहीं अनावश्यक मेहनत और धन की बचत भी होगी।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने सिटी सर्वे अंबिकापुर हेतु नक्शा प्रोजेक्ट के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि यह बहुजन हिताय, बहुजन सुखय प्रोजेक्ट है। सभी के लिए अच्छा है डिजिटाइजेशन बहुत ही महत्वपूर्ण है भू राजस्व को बचाने में सहयोग मिलेगा जिसकी जिम्मेदारी आपकी है इसमें ऑनलाइन रिकॉर्ड रहेगा एवं सभी सुविधाएं प्राप्त होगी।

पार्षद श्री आलोक दुबे ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे शहरी क्षेत्र के भूमि रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे और सही समय पर डाटा की उपलब्धता से योजनाओं में आसानी होगी।

इस परियोजना के तहत अंबिकापुर नगर निगम के ड्रोन सर्वे से भू-सम्पत्तियों के सही रिकॉर्ड को ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे भविष्य में भूमि संबंधित विवादों को सुलझाना आसान होगा और शहरी विकास की योजनाओं का क्रियान्वयन बेहतर हो सकेगा।

C M Y K

वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष दोबारा जिला पंचायत

चुनाव जीतने के लिए कर रहे हैं जीतोड़ मेहनत

» जिला पंचायत चुनाव को लेकर कोरिया जिले में तीन-चार सीटें काफी हाई प्रोफाइल जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 5,4,6 व 10 काफी हाई प्रोफाइल

» जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 4 में बिहार राजवाड़े व माला सिंह दोनों में से किसकी होगी जीत क्षेत्र 5 में वर्तमान विधायक की बेटी लड़ रही है चुनाव

» क्षेत्र क्रमांक 6 में वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष लड़ रहे हैं चुनाव जिन्हें हारता देखना चाहती हैं पूर्व विधायक वहां उन्हें हराने के लिए उनकी टीम कर रही काम

» बैलगाड़ी पर चढ़कर वेदांती तिवारी भर रहे हैं हुंकार...वेदांती तिवारी के सामने है भाजपा समर्थित प्रत्याशी मोहित पर जो कभी थे कांग्रेसी पर अब है भाजपा के सिपाही

» वेदांती तिवारी व मोहित के बीच जिला पंचायत चुनाव में कड़ी टक्कर

क्षेत्र क्रमांक 10 भी काफी हाईप्रोफाइल

क्षेत्र क्रमांक 10 भी काफी हाईप्रोफाइल सीट मानी जा रही है जहां से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस समर्थन से मैदान में हैं वहीं भाजपा समर्थन से जिला पंचायत सदस्य रह चुकी चुन्नी पैकरा।

निवर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी जीत तलाशने कर रहे जी तोड़ मेहनत

निवर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी अपनी जीत तलाशने जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। अपने समर्थकों के साथ वह नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से हाट बाजारों की सभाओं से और व्यक्तिगत जनसंपर्क करके मतदाताओं से मत की अपने लिए अपील कर रहे हैं। चुनाव उनके लिए भी काफी कड़े मुकाबले वाला है और वह यह जानते हुए मेहनत कर रहे हैं और जीत तलाश रहे हैं। वैसे अभी से जीत हार का दावा कोई नहीं करना चाह रहा है क्योंकि मुकाबला टक्कर का है।

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए होने वाले मतदान में विकासखंड सोनहत के लिए मतदान हो चुका और परिणाम भी सामने आ गया है जहां जिले के दो जिला पंचायत सीटों पर हुए चुनावों में एक पर भाजपा समर्थित और एक पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी की जीत हुई है वहीं सोनहत विकासखंड के जनपद सदस्यों के लिए हुए कुल 10 सीटों के चुनाव में 7 पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों ने बाजी मार ली है। भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी की अगुवाई में यह दूसरी बड़ी जीत है कोरिया जिला भाजपा की जहां भाजपा ने नगर पंचायत पटना में अध्यक्ष सहित पांच पार्षदों की जीत से जारी क्रम को जारी रखा है और जनपद पंचायत सोनहत में अध्यक्ष उपाध्यक्ष दोनों पद भाजपा की ही झोली में जाने वाले हैं क्योंकि 10 सदस्यों वाली सोनहत जनपद पंचायत क्षेत्र में से 7 पर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की जीत हुई है। भाजपा सोनहत में निर्विरोध अध्यक्ष उपाध्यक्ष जनपद पंचायत में बना ले जाएगी नए जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी के नेतृत्व में यह तय नजर आ रहा है। भाजपा की यह एक तरह से बड़ी जीत है जनपद सदस्यों की जीत के हिसाब से वहीं अब जिले की 8 जिला पंचायत सीटों पर 23 फरवरी को मतदान होना है और जिस दिन ही बैकुंठपुर जनपद पंचायत को लेकर भी जनादेश मिलना है।

बैकुंठपुर जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 6 में इसबार वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी हैं जहां से भाजपा ने कांग्रेस पार्टी छोड़कर भाजपा में आए मोहित पैकरा को अपना प्रत्याशी बनाया है और दोबारा जिला पंचायत चुनाव जीतने के लिए वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष जीतोड़ मेहनत करते नजर आ रहे हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष को इसलिए भी मेहनत करना पड़ रहा है क्योंकि मोहित पैकरा जिस पैकरा समुदाय से आते हैं क्षेत्र क्रमांक 6 में यह समुदाय काफी अधिक जनसंख्या वाला समुदाय है और यदि पैकरा समुदाय एकजुट होकर मोहित पैकरा के पक्ष में खड़ा हो जाता है मतदान करता है तो वर्तमान जिला पंचायत उपाध्यक्ष को भी कठिनाई हो सकती है। वैसे जिला पंचायत के वर्तमान उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी काफी मेहनत कर रहे हैं उनके समर्थक उनके साथ जी जान से लगे हुए हैं और वह दिन रात एक करके वेदांती तिवारी के लिए जीत तलाश रहे हैं। जिला पंचायत चुनाव को लेकर कोरिया जिले की बात करें तो जिले की 4 सीटें काफी हाई प्रोफाइल मानी जा रही हैं जिनमें से 4,5,6,और 10 वह सीटें हैं जहां मुकाबला जीत हार से ज्यादा बड़े चेहरों और बड़े चेहरों के समर्थन के मान सम्मान का है।

क्षेत्र क्रमांक 4 का चुनाव बागी और पार्टी समर्थित प्रत्याशी के बीच फंसा

यदि अलग अलग बात की जाए तो क्षेत्र क्रमांक 4 से पूर्व विधायक के खास सिपहसलार बिहारीलाल राजवाड़े मैदान में हैं और उनके सामने टक्कर में फिलहाल कौन है यह पता नहीं चल पा रहा है क्योंकि भाजपा समर्थित और भाजपा से बागी होकर लड़ रहे प्रत्याशी के अलावा एक अन्य का भी टक्कर में नाम सामने आ रहा है और अब चार चेहरों पर चुनाव फंस चुका है जिसमें कौन जीत दर्ज कर ले जाएगा यह अभी कहना जल्दबाजी होगी। वैसे पूर्व विधायक की मंशा अनुसार बिहारीलाल राजवाड़े की जीत हुई तो पूर्व विधायक को एक प्रसन्नता का अवसर इस चुनावी मौसम में मिलता नजर आयेगा क्योंकि उनकी पसंद के दो में से एक प्रत्याशी हैं बिहारीलाल राजवाड़े।

क्षेत्र क्रमांक 5 में वर्तमान और पूर्व विधायक की टक्कर

वहीं क्षेत्र क्रमांक 5 की बात की जाए तो यहां वर्तमान विधायक की बेटी चुनावी मैदान में हैं और उनके सामने पूर्व विधायक के खास और प्रतिनिधि रह चुके रामकृष्ण साहू की धर्मपत्नी चुनावी मैदान में हैं और यह सीट इसलिए ही हाईप्रोफाइल है क्योंकि यहां भाजपा कांग्रेस की टक्कर तो है ही यहां वर्तमान और पूर्व विधायक की टक्कर है और अब देखना है कौन बाजी मारता है।

पूर्व विधायक चाहती है वेदांती तिवारी की हारःसूत्र

क्षेत्र क्रमांक 6 से जिला पंचायत उपाध्यक्ष रह चुके वेदांती तिवारी मैदान में हैं कांग्रेस की तरफ से वहीं यहां से भाजपा ने पूर्व विधायक कांग्रेस के कभी खास सिपहसलार रह चुके वर्तमान में भाजपा में शामिल हो चुके मोहित पैकरा को समर्थन दिया है और पैकरा समाज बाहुल्य क्षेत्र होने के कारण जीत हार का आंकलन अभी सम्भव नहीं नजर आ रहा है वैसे इस सीट पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी की हार सुनिश्चित करने को लेकर पूर्व विधायक की टीम भी काम कर रही है यह सूचना मिल रही है, पूर्व विधायक चाहती है कि वेदांती तिवारी की हार हो ऐसा सूत्रों का दावा है। सूत्रों का दावा है कि पूर्व विधायक की मंशा है कि वेदांती तिवारी यह चुनाव हार जाएं पूर्व विधायक की टीम लगातार क्षेत्र क्रमांक 6 में वेदांती तिवारी की हार तलाश रही है ऐसी सूचनाएं मिल रही हैं। पूर्व विधायक की मंशा ऐसी क्यों है और क्यों उनके सिपहसलार पार्टी समर्थित की हार तलाश रहे हैं इसके पीछे की वजह पता की गई तो पता चला कि वह अपनी हार का कारण जिला पंचायत उपाध्यक्ष को भी मानती हैं और इसलिए वह अपने खास लोगों के माध्यम से वेदांती तिवारी की हार तलाश रही हैं।

क्षेत्र क्रमांक 4 में पूर्व विधायक की साख है दांव पर वहीं क्षेत्र क्रमांक 5 में वर्तमान विधायक की बेटी हैं मैदान में,पूर्व वर्तमान दोनों विधायकों की है साख दांव पर

क्षेत्र क्रमांक 4 का और 5 का भी चुनाव पूर्व वर्तमान विधायक के मान सम्मान का चुनाव बन चुका है। क्षेत्र क्रमांक 4 से जहां पूर्व विधायक के खास सिपहसलार कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार हैं जिला पंचायत सदस्य हेतु वहीं भाजपा समर्थित विनोद साहू हैं मैदान में,विनोद साहू के अलावा एक अन्य भाजपा से ही बगावत कर मैदान में है प्रत्यासी वहीं जहां पूर्व विधायक चाहेगी बिहारीलाल राजवाड़े जीत दर्ज कर ले जाए वहीं वर्तमान विधायक चाहेंगे कि विनोद साहू की जीत हो क्योंकि बिहारीलाल राजवाड़े की जीत वर्तमान विधायक कतई नहीं चाहेंगे।वहीं क्षेत्र क्रमांक 5 से वर्तमान विधायक की बेटी खुद चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी हैं वहीं कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी जो हैं वह पूर्व विधायक के प्रतिनिधि की धर्मपत्नी हैं। देखा जाए तो क्षेत्र क्रमांक 4 एवं 5 में पूर्व और वर्तमान विधायक की ही लड़ाई है चुनावी और दोनों ही जितने का प्रयास अपने अपने पसंदीदा और पार्टी समर्थित के भरोसे करना चाहेंगे।

बौखलाये निवर्तमान जनपद उपाध्यक्ष शिक्षक पति ने प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी के साथ की गाली-गलौज,जमीन में गाड़ देने की दी धमकी

जनपद पंचायत बैकुंठपुर के क्षेत्र क्रमांक 11 हाई प्रोफाइल सीट का मामला, जहां तीन भूतपूर्व उपाध्यक्ष समेत 11 प्रत्याशी हैं मैदान में, प्रत्याशी अमित कुशवाहा अपने प्रचार वाहन में तीनों पूर्व जनपद उपाध्यक्ष की गिना रहे थे कमियां

शिकायत अनुसार जिस कुशवाहा समाज को दी गई है गाली, वे हैं क्षेत्र क्रमांक 11 में निर्णायक भूमिका में

प्रत्यक्षदर्शी एवं प्रत्याशी अमित कुशवाहा के अनुसार जिस पूरे कुशवाहा समाज को महेश साहू द्वारा गाली दी गई है, उस समाज की संख्या जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 में निर्णायक भूमिका में है। 4 ग्राम पंचायत का यह जनपद क्षेत्र जिसमें कुल वोटरों की संख्या लगभग 5000 है, में से हजार से 1200 वोटर कुशवाहा समाज से आते हैं, जो कि इस जनपद क्षेत्र में निर्णायक भूमिका में है। और किसी भी प्रत्याशी के जीत हार का फैसला करने में सक्षम हैं। इस घटना का समाज के व्यक्तियों के ऊपर क्या असर पड़ता है, यह तो वे ही जानें। परंतु निश्चित ही यह पूरी घटना पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के पति महेश साहू के बौखलाहट को दर्शाता है।

प्रतिद्वंदी प्रत्याशी की कमियां गिनाना चुनाव प्रचार का हिस्साःविपिन

भूतपूर्व जनपद उपाध्यक्ष एवं जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 से वर्तमान में जनपद सदस्य प्रत्याशी बिपिन बिहारी जायसवाल का कहना है कि चुनाव में आलोचना और आरोप प्रत्यारोप एक सामान्य घटना है। जिसे स्वाभाविक रूप से प्रत्याशी, वोटरों को अपनी ओर लुभाने के लिए प्रयास करता है। यदि किसी प्रत्याशी में कोई कमी है, या कोई बुराई है, या कोई ऐसी बात जिससे प्रतिद्वंद्वी को लाभ मिल सकता है, तो प्रतिद्वंदी द्वारा इसका प्रचार प्रसार करना स्वाभाविक है। और जो व्यक्ति राजनीतिक पद में रह चुका हो, उनके कार्यकाल की कमियां और आलोचना होना चुनाव के दौरान सामान्य बात है। इसे केवल चुनाव तक ही सीमित रखना और धैर्य के साथ सामना करना ही उचित होता है। गाली गलौज और मारपीट तथा पूरे समाज को सामूहिक रूप से लपेटना पूरी तरह गलत है।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

जैसे-जैसे कोरिया जिले के बैकुंठपुर जनपद में पंचायत चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, माहौल गरमाता जा रहा है। जनपद पंचायत बैकुंठपुर के 25 जनपद क्षेत्रों में जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 छिंदिया, चिरगुड़ा, अमहर, तरगांव सबसे हाई प्रोफाइल जनपद क्षेत्र माना जा रहा है। क्योंकि यहां तीन भूतपूर्व उपाध्यक्ष समेत कुल 11 कद्दावर प्रत्याशी मैदान में अपना भाग्य आजमा रहे हैं। इन प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के प्रयोग और जोर आजमाइश की जा रही है, परंतु खामोश मतदाताओं की वजह से ऊंट किस करवट बैठेगा, इसका पता लगा पाना असंभव है। विगत पंचायत चुनाव में भी यह सीट काफी हाई प्रोफाइल था और आए दिन तकरार और विवाद की खबरें आती रही थी। जिस कारण इस क्षेत्र को संवेदनशील माना गया था। ठीक वही स्थिति इस बार के चुनाव में भी है, और दिग्गज प्रत्याशियों के मैदान में उतर जाने से यह क्षेत्र हाई प्रोफाइल होने के साथ-साथ अति संवेदनशील भी है।

ताजा मामला इसी क्षेत्र से जुड़ा है, जो कि थाने तक पहुंच गया है, और क्षेत्र में चुनाव की गर्मी को बढ़ा दिया है। जब जनपद सदस्य के प्रत्याशी अमित कुशवाहा द्वारा अपने प्रचार वाहन के माध्यम से पूर्व में चुने गए जनपद सदस्यों और भूतपूर्व जनपद उपाध्यक्षों की कमियां बात कर अपना प्रचार कर रहे थे,यह बात निवर्तमान जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के शिक्षक पति महेश साहू को नागवार गुजरी और सूत्रों से प्राप्त जानकारी तथा थाने में लिखाये गये रिपोर्ट के अनुसार शिक्षक महेश साहू ने अपनी पत्नी के प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी अमित कुशवाहा का रास्ता रोककर गाली गलौज और झूमा झटकी की, साथ ही पूरे समाज को देख लेने की धमकी दी। अमित कुशवाहा के अनुसार वे अपना प्रचार करने तरगांवा बाजार की ओर जा रहे थे, तो अमहर और तरगंवा के बीच में महेश साहू ने उनका रास्ता रोका और गंदी गाली देते हुए जमीन में गाड़ देने की धमकी दी, साथ ही यह भी कहा कि तुम कुशवाहा समाज के बड़े नेता बनते हो, तुमको और तुम्हारे कुशवाहा समाज को देख लूंगा। प्रत्याशी अमित कुशवाहा के अनुसार उन्होंने अपने प्रचार वाहन में पूर्व के तीनों जनपद उपाध्यक्षों के द्वारा विगत 10 से 15 साल पूर्व में हुए क्षेत्र में कार्यों में भ्रष्टाचार, कमीशनखोरी और गुणवत्ता विहीन निर्माण का आरोप पहले के चुने जनपद सदस्यों पर लगाया था। साथ ही पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के शिक्षक पति पर विद्यालय ना जाने और राजनीति करने के साथ-साथ अपने बदले कर्मचारी रखकर कार्य करने का आरोप लगाया था। जो कि चुनाव में आरोप प्रत्यारोप स्वाभाविक है। मामले ने तूल पकड़ा और जब गहमा गर्मी बढ़ गई तो मामला थाना पहुंच गया। जहां जनपद क्षेत्र में चुनाव लड़ रहे अन्य प्रत्याशी विपिन बिहारी जायसवाल एवं अंकित जायसवाल भी थाने पहुंचे और उन्होंने प्रचार वाहन में प्रचार किये जा रहे तथ्यों में कोई भी गलत ना होना बताया। अमित कुशवाहा के द्वारा दर्ज किये गये शिकायत में स्पष्ट उल्लेख है कि न केवल उन्होंने प्रत्याशी को गाली दी, बल्कि उसके पूरा समाज को गाली देने के साथ-साथ देख लेने और गाड़ देने की धमकी भी दी।

कलेक्टर से की गई शिकायत में गंभीर आरोप लगाए गए हैं भूतपूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के शिक्षक पति पर

जिस बात को लेकर पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के पति महेश साहू ने अपना आपा खो दिया और बौखलाहट में गाली गलौज के साथ-साथ प्रत्याशी अमित कुशवाहा को धमकी दी। उस बात की लिखित शिकायत जनपद क्षेत्र 11 के भाजपा समर्थित प्रत्याशी ने लगभग 15 दिनों पूर्व ही कलेक्टर, जिला निर्वाचन अधिकारी तथा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के सामने कर रखी है। उस शिकायत में शिक्षक महेश साहू पर गंभीर आरोप लगाते हुए अंकित जायसवाल ने पत्नी के जनपद सदस्य के चुनाव में खुलेआम चुनाव प्रचार करने, विद्यालय में पदस्थ होने के बावजूद कभी विद्यालय ना आने और विद्यालय में अपने बदले एक अन्य कर्मचारी रख कर कार्य करने का आरोप लगाया है। किए गए शिकायत पत्र में लगाया गये आरोप में विद्यालय में पदस्थ प्रधान पाठक को भी इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। जो सब कुछ जानते हुए भी मिली भगत में साथ है। शिकायत के बाद मामले की जांच कैसे हो रही है, और कौन कर रहा है, यह तो नहीं पता। परंतु यदि शिकायतकर्ता की बात सत्य है, तो यह एक गंभीर मामला है,जहां एक शासकीय कर्मचारी अपने बदले कर्मचारी रखकर अपना कार्य कर रहा है।

प्रचार वाहन में जो बात की जा रही थी,इसकी शिकायत की गई है कलेक्टर से,पर अभी तक कोई कार्यवाही नहींःअंकित जायसवाल

जनपद क्षेत्र क्रमांक 11 से भाजपा प्रत्याशी अंकित जायसवाल ने बताया कि प्रत्याशी अमित कुशवाहा के प्रचार वाहन से जो बातें की जा रही थी और जिनको लेकर महेश साहू ने विवाद उत्पन्न किया, उनकी शिकायत 15 दिनों पूर्व ही मेरे द्वारा कलेक्टर कार्यालय में तथा निर्वाचन आयोग के जिला निर्वाचन अधिकारी के साथ-साथ विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला शिक्षा अधिकारी के समक्ष की गई है। और यह सत्य है कि पूर्व जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू के शिक्षक पति जो की प्राथमिक शाला छिंदिया में पदस्थ है, कभी विद्यालय नहीं आते और अपने बदले ग्राम की ही एक लड़की को ?3000 महीने के बदले रखकर विगत दो वर्षों से भी अधिक समय से कार्य करा रहा है, जिसमें विद्यालय में पदस्थ प्रधान पाठक का भी पूरा मिली भगत है। इसके साथ ही एक शासकीय कर्मचारी खुलेआम चुनाव प्रचार में संलग्न है, इसकी भी शिकायत निर्वाचन अधिकारी से की गई है। वर्तमान में किए गए शिकायत पर कार्यवाही न होने की दशा में अंकित जायसवाल ने इसकी शिकायत राज्य शासन से करने की बात की है।

C M Y K

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष

पटना नगर पंचायत चुनाव में भाजपा के कई पार्षद हारे

कई जगह टिकट वितरण की गलती से हुई हार

वर्तमान जिलाध्यक्ष

वार्ड क्रमांक 8 एवं 11 की हार की मुख्य वजह टिकट वितरण,परिवारवाद और संघ के बेवजह दखल से भाजपा ने गवाया यह दो वार्ड

योग्य और जिताऊ को टिकट देकर भाजपा जीत सकती थी कई और वार्ड,दूरदर्शिता का आभाव टिकट वितरण में नजर आया

अध्यक्ष निर्वाचित गायत्री सिंह जिलाध्यक्ष भाजपा और अपनी टीम का साथ नहीं लेती तो वह भी जाती हार

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नवगठित नगर पंचायत पटना के संपन्न चुनाव में भाजपा अध्यक्ष का पद तो जीत गई स्थिर नगर सरकार के लिए उसके पांच पार्षद भी जीतकर आ गए लेकिन उपाध्यक्ष का पद भी भाजपा का होता यदि टिकट वितरण में पार्षदों के परिवारवाद और संघवाद नहीं चला होता। दो वार्ड भाजपा परिवारवाद और संघवाद के कारण हार गई जिसमें वार्ड क्रमांक 8 और 11 शामिल हैं। वार्ड क्रमांक 8 को लेकर बताया जा रहा है कि वहां यदि प्रत्याशी कोई और होता चुनाव भाजपा जीत सकती थी लेकिन संघ के अनावश्यक दबाव के कारण ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया जिसे आरम्भ से ही वार्ड वासियों का समर्थन मिलता नजर नहीं आया।

बताया यह भी जाता है कि जिसे वार्ड क्रमांक 8 से टिकट दिया गया था उसके लिए संघ का दबाव

था और जिस कारण टिकट वितरण के लिए गठित समिति भी कुछ नहीं कह पाई कर पाई उसी तरह वार्ड क्रमांक 11 की बात की जाए तो यह वार्ड भाजपा परिवारवाद के कारण हार गई। वार्ड क्रमांक 11 के लिए भाजपा से टिकट के दो व्यक्ति प्रबल दावेदार थे जिनमें से एक पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष के परिवार के सदस्य थे और एक अन्य जिसके साथ भाजपा संगठन का कोई पैरोकारी करने वाला भले नहीं था लेकिन वह भाजपाई था। पूर्व जिलाध्यक्ष के रिश्तेदार को उनकी जिद पर भाजपा से 11 नंबर वार्ड से टिकट दिया गया और वह चुनाव हार गए वहीं एक अन्य प्रबल दावेदार भाजपा से रहे ने निर्दलीय चुनाव लड़कर यह वार्ड जीत लिया। वैसे पूर्व जिलाध्यक्ष ने कई जगह पर परिवारवाद का उदाहरण प्रस्तुत किया है नगरीय निकाय चुनाव सहित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में।

जातिवाद और परिवारवाद का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष ने भाजपा समर्थित प्रत्याशी के विरुद्ध अपने पुत्र को चुनावी मैदान में एक जनपद पंचायत क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतार दिया है वहीं एक अन्य जनपद क्षेत्र से भी उन्होंने अपने ही परिवार के सदस्य को मौका दिया है जिसके जितने कि संभावना जीत हार परिणामों के बाद सामने आने वाली है।

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष की दखलंदाजी मनमानी क्या रोक पाएंगे वर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा?

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया की पार्टी के निर्णयों में दखलंदाजी क्या वर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा रोक पाएंगे।पटना नगरीय निकाय चुनाव में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा के मनमाने निर्णय परिवारवाद का उदाहरण प्रस्तुत करने वाले निर्णय के कारण पार्टी वार्ड क्रमांक 11 की सीट हार गई। पार्टी ने यदि पूर्व जिलाध्यक्ष का परिवारवाद से प्रेरित होकर लिया जा रहा निर्णय नहीं माना होता वार्ड क्रमांक 11 का जीतकर आया हुआ निर्दलीय पार्षद आज भाजपा का ही पार्षद होता। कुल मिलाकर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष की मनमानी और परिवारवाद से प्रेरित निर्णय ने एक जगह पार्टी को निपटा दिया है और अब 23 फरवरी को जब त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणाम आयेंगे तब यह पता चलेगा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में उनके परिवारवाद से प्रेरित होकर लिए निर्णयों से पार्टी को फायदा हुआ या नुकसान। वैसे अब नए भाजपा जिलाध्यक्ष पुराने भाजपा जिलाध्यक्ष के निर्णयों को कैसे रोक पाएंगे क्या रोक पाएंगे भी की नहीं यह सवाल खड़ा है। वैसे नए जिलाध्यक्ष से उम्मीदें हैं पार्टी के लोगों को की वह पूर्व जिलाध्यक्ष के कार्यकाल जैसी भर्राशाही नहीं चलने देंगे पार्टी में।

पूर्व जिलाध्यक्ष का परिवारवाद भाजपा में कब तक चलने वाला है?

वैसे पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा की सहमति से एक ही टिकट या समर्थन भाजपा समर्थित होकर चुनाव लड़ रहे के साथ है एक पार्षद प्रत्याशी उनकी सहमति से जिसे टिकट मिला था वह हार चुका है वहीं एक उनका खुद का पुत्र भाजपा समर्थित प्रत्याशी के विरुद्ध चुनाव लड़ रहा है और अब परिणाम उपरांत ही यह साबित होगा कि उनका निर्णय सही था या गलत था। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष का परिवारवाद भाजपा में कब तक चलने वाला है यह अब वर्तमान जिलाध्यक्ष से भी प्रश्न है पार्टी के ही लोगों का जैसा सुनाई भी दे रहा है,पार्टी के लोगों का वर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष से यह प्रश्न है जैसा सूत्र बता रहे हैं कि कब तक वर्तमान जिलाध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष के इशारे और कहने पर पार्टी का संचालन जिले में करेंगे।

पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा का कार्यकाल जैसा ही हो जाएगा वर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा का कार्यकाल?

पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा का कार्यकाल जैसा ही हो जाएगा वर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा का कार्यकाल यदि पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा के निर्णयों के साथ वह आगे बढ़ेंगे यह भी भाजपाइयों का कहना है जो पार्टी के लिए भविष्य के लिए अच्छा नहीं होगा।पार्टी के निर्णय के लिए वर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा को अब पूर्व जिलाध्यक्ष से राय मशवरे की जरूरत नहीं होनी चाहिए यह भाजपाई चाहते हैं अंदर ही अंदर। वैसे पटना नगर पंचायत चुनाव के दौरान एक दो अन्य ऐसे वार्ड थे जहां टिकट वितरण में चुक हुई जिसमें वार्ड क्रमांक 5 भी एक उदाहरण है जहां अन्य वार्ड से प्रत्याशी मैदान में भाजपा ने उतारा और वह बाहरी होने के कारण वार्ड से वार्डवासियों का स्नेह नहीं प्राप्त कर सकी और चुनाव हार गई।

वार्ड क्रमांक 8 में संघ का था टिकट को लेकर दबावःसूत्र, हारा संघ के दबाव में टिकट पाने वाला प्रत्याशी

वार्ड क्रमांक 8 में भाजपा प्रत्याशी संघ के दबाव पर तय हुआ था ऐसा सूत्रों का कहना है। भाजपा ने जिसे वार्ड क्रमांक 8 में प्रत्याशी बनाया वह आरम्भ से ही जिताऊ नहीं था और उसकी हार तय है यह जानते हुए संघ के दबाव पर भाजपा ने उसे टिकट दिया और वह निर्दलीय प्रत्याशी से बुरी तरह हार गया। वैसे संघ का दबाव नहीं होता और टिकट किसी और को दिया गया होता टक्कर जरूर होती परिणाम जो भी आता यह अलग बात है। वैसे कई गलतियों के बाद केवल एक बात अच्छी रही और जिलाध्यक्ष का एक निर्णय जिसे दूरदर्शिता कहें अच्छा रहा की उन्होंने निवर्तमान सरपंच पर दांव लगाया और चुनाव में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर ली।

जिला पंचायत सूरजपुर क्षेत्र क्रमांक 3 नहीं

बचा पाईं कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

कांग्रेस प्रत्याशी ने भाजपा प्रत्याशी को लगभग 600 वोटों से हराया

पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष भाजपा प्रत्याशी अनूप सिन्हा को वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र यादव ने हराया चुनाव

सूरजपुर में कांग्रेस का परफॉर्मेंस अच्छा सत्तापक्ष के विधायक और मंत्री अपने प्रत्याशी को जिता पाने में हुए असफल

जिले के 6 जिला पंचायत क्षेत्रों में सम्पन्न हुए चुनावों में 4 पर कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी जीते, भाजपा 6 में से 6 सीट हारी

सुरजपुर जिले के 6 जिला पंचायत क्षेत्रों में पहले चरण में ही चुनाव संपन्न हुआ जिसमें से 4 में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी जीत दर्ज कर ले गए। 6 सीटों में से दो सीटों पर निर्दलीय या बिना किसी पार्टी के समर्थन से लड़ने वाले प्रत्याशी चुनाव जीतकर आए हैं। भाजपा समर्थित 6 के 6 प्रत्याशी इस बार के चुनाव में हार चुके हैं। भाजपा के हिसाब यह भाजपा की करारी हार है। भाजपा की यह हार तब हुई है जब जिले के सभी विधायक भाजपा से हैं और मंत्री भी भाजपा की कैबिनेट जिले से हैं। भाजपा समर्थन देने में त्रुटि की वजह से और एक वर्ष के फारफॉर्मेंस का आधार पर चुनाव हारी है ऐसा लोगों का मानना है।

भाजपा से बागी दो ने भाजपा प्रत्याशियों को दी शिकस्त

सुरजपुर जिले में सम्पन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दौरान जिला पंचायत की जिन 6 सीटों पर चुनाव संपन्न हुए उसमें से 4 पर जहां कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने बाजी मार ली है वहीं 2 सीटों पर भाजपा से बागी होकर भाजपा समर्थित प्रत्याशियों के विरुद्ध जाकर चुनाव लड़ने वालों ने भाजपा प्रत्याशियों को शिकस्त दी है। भाजपा से बागी प्रत्याशियों की जीत बतलाती है कि समर्थन देते समय भाजपा नेताओं की गलती ही 6 की 6 सीटों की हार का कारण बनी। वैसे जीतकर आए दो बागी प्रत्याशी क्या भाजपा के साथ जायेंगे यह देखने वाली बात होगी।

-ओंकार पाण्डेय-
सूरजपुर,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के पहले चरण में 6 जिला पंचायत सीटों के चुनाव हुए जिसमें से चार जिला पंचायत सदस्य की सीटों पर कांग्रेस का कब्जा रहा है, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सूरजपुर जिले में भाजपा के लिए कुछ अच्छा नहीं है यहां पर ऐसे सीटों पर भी हार मिली है भाजपा को जहां कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े चुनाव प्रचार कर रही थीं साथ ही जिस सीट पर वह जिला पंचायत सदस्य भी रह चुकी थीं, उस सीट को भी वह जीत नहीं पाई जो कहीं ना कहीं लक्ष्मी राजवाड़े की कद को कम करने वाला माना जा रहा है, क्षेत्र क्रमांक 3 काफी हाई प्रोफाइल सीट था वह इसलिए था क्योंकि इस सीट अंतर्गत ही कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का गृह ग्राम भी आता है साथ ही यहां से वह पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं इसके अलावा इस सीट पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अनूप सिन्हा जो एक बड़े नेता है भाजपा के वह एक युवा कांग्रेसी नेता से हार गए हैं, भाजपा समर्थित प्रत्याशी को हराने वाले कोई और नहीं वर्तमान जनपद उपाध्यक्ष रहे जो एक इंजीनियर भी है जिन्होंने अपने कार्यों से लोगों को प्रभावित किया और लोगों के बीच एक स्वच्छ छवि

छोड़ी जिस वजह से उन्हें इस चुनाव में जीत मिली और उनकी जीत से भाजपा सहित कैबिनेट मंत्री की एक तरह से हार तय हुई। कैबिनेट मंत्री के गृहग्राम वाली जिला पंचायत की वह सीट जिसपर कभी कैबिनेट मंत्री सदस्य हुआ करती थीं कि हार देखी जाए तो छोटी मोटी हार नहीं है,यह खुद कैबिनेट मंत्री के लिए एक हार है क्योंकि इस सीट का जिम्मा उन्हीं का था और वह उसे नहीं जीता सकीं। वैसे जिस युवा कांग्रेसी नेता ने यह सीट जीती है वह कर्मठ और क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है यह कहना इसलिए गलत नहीं होगा क्योंकि उसने पद में रहकर भी अपना विरोध होने से रोके रखा और यह चुनाव वह जीत सका।

एक वर्ष के अंतराल में ही क्या भाजपा के मंत्री विधायकों से मोह भंग हो गया जनता का?

भाजपा समर्थित 6 जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशियों की सुरजपुर जिले में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में हार यह बतलाती है कि जिले की जनता ने भाजपा के पक्ष में मतदान नहीं किया। ग्रामीण क्षेत्र की जनता का यह रुख भाजपा के लिए सुखद संदेश नहीं है। शहरी चुनाव में भी भाजपा सुरजपुर शहर हार गई। क्या एक वर्ष के अंतराल में ही भाजपा से ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं का मोह भंग हो गया है जिले में?

कौन हार कौन जीता-सूरजपुर में भाजपा समर्थित सभी 6 प्रत्याशी जिला पंचायत का चुनाव हार गए हैं। हालांकि दो सीटों में भाजपा के बागियों को जीत मिली है। कांग्रेस के समर्थित तीन प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है। एक निर्दलीय कांग्रेस समर्थित है। जहां चुनाव हुए, वे भटगांव व प्रेमनगर विधानसभा क्षेत्र की सीटें हैं। सूरजपुर के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 1 सूरजपुर प्रथम से कांग्रेस समर्थित योगेश्वरी लक्ष्मण राजवाड़े ने जीत दर्ज की है। यहां भाजपा की घोषित समर्थित प्रत्याशी पुष्पा सिंह चुनाव हार गई हैं। सूरजपुर के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 2, सूरजपुर द्वितीय से निर्दलीय कलेश्वरी कुर्रे ने चुनाव जीता है। भाजपा समर्थित तुलसी चौधरी ने हारे सूरजपुर के क्षेत्र क्रमांक 3, सूरजपुर तृतीय से कांग्रेस समर्थित नरेंद्र यादव ने जीत दर्ज की है। यहां भाजपा समर्थित अनूप सिन्हा चुनाव हार गए हैं। जिला पंचायत के क्षेत्र क्रमांक 4, सूरजपुर चतुर्थ से भाजपा की समर्थित प्रत्याशी कौशल्या सिंह चुनाव हार गई हैं। यहां से भाजपा की ही बागी किरण केराम ने जीत दर्ज की है। क्षेत्र क्रमांक 7 भैयाथान प्रथम से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी अखिलेश प्रताप सिंह ने जीत दर्ज की है। इस सीट पर भाजपा समर्थित प्रत्याशी मार्तत साहू चौथे स्थान पर हैं। क्षेत्र क्रमांक 8, भैयाथान द्वितीय से भाजपा के बागी गिरीश गुप्ता चुनाव जीत गए हैं। भाजपा के समर्थित प्रत्याशी भटगांव के भाजपा मंडल अध्यक्ष रमेश गुप्ता पांचवें स्थान पर रहे।

निगम चुनाव तो जीते लेकिन पंचायत चुनाव में

मंत्री के गृह क्षेत्र में फिर हारी भाजपा

खड़गवां विकासखंड के दोनों जिला पंचायत क्षेत्र से कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी जीते

कोरिया जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह की हुई हार,जनपद अध्यक्ष भी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव हारी

खड़गवां है स्वास्थ्य मंत्री का गृह क्षेत्र जहां से हर चुनाव में होती है भाजपा की हार

स्वास्थ्य मंत्री के गढ़ में जिला पंचायत के दो क्षेत्रों से भाजपा महिला प्रत्याशी चुनाव हारी...एक थी वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया

-रवि सिंह-
एमसीबी/खड़गवां,18 फरवरी 2025 (घटती-घटना)।

नवीन एमसीबी जिले के पहले जिला पंचायत चुनाव के पहले चरण के खड़गवां विकासखंड में हुए चुनावों में स्वास्थ्य मंत्री के गढ़ में जिला पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल की है । मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के क्षेत्र में कोरिया जिले की वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष सहित दूसरी प्रत्याशी को भी करारी हार का सामना करना पड़ा है ,दोनों भाजपा समर्थित प्रत्याशी थीं, यहां कांग्रेस ने अपनी स्थिति को मजबूत किया है ,मनेंद्रगढ़ खड़गवां के दोनों जिला पंचायत क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है,जिससे पार्टी ने क्षेत्र में अपनी मजबूत स्थिति को और प्रबल किया है, इस चुनाव में मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के क्षेत्र में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा, जो एक बड़ा राजनीतिक उलटफेर है। मंत्री के प्रभाव वाले इलाके में भाजपा की उम्मीदें पूरी नहीं हो पाई जबकि वहा से एक सीट पर भाजपा की वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह चुनाव लड़ रही थी जिन्हें हरा कर कांग्रेस ने अपनी स्थिति को मजबूत किया, कांग्रेस की ममता सिंह और प्रिया मसराम ने जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 9 और 10 से जीत हासिल की है ,क्षेत्र क्रमांक 9 से जिला पंचायत अध्यक्ष

रही भाजपा समर्थित रेणुका सिंह और क्षेत्र क्रमांक 10 से जनपद अध्यक्ष रही भाजपा समर्थित सोनमति उर्रे को हार का सामना करना पड़ा जो भाजपा के लिए एक बड़ा झटका है।

बता दें कि स्वास्थ्य मंत्री के नेतृत्व में भाजपा ने नवीन जिले के नगरीय निकाय चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया और भाजपा ने नगर निगम सहित अधिकाशं पालिकाएं जीत लीं। एकमात्र नगरीय क्षेत्र में भाजपा के अध्यक्ष पद प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा वहीं निगम के चुनाव में तो पूर्व विधायक को ही भाजपा ने पछाड़ दिया घर बैठा दिया। शहर सरकार को लेकर जहां भाजपा के जीत का प्रदर्शन अच्छा रहा वहीं ग्रामीण क्षेत्रों का प्रदर्शन भाजपा का अच्छा नहीं रहा प्रारंभिक तौर पर। अब जिला पंचायत के लिए बचे 8 क्षेत्रों में से भाजपा को कम से कम 6 जितनी है तब जाकर वह जिला पंचायत की सरकार के लिए पात्र हो सकेंगे। वैसे देखने वाली बात यह होगी कि अब क्या रणनीति भाजपा और स्वास्थ्य

मंत्री अपनाते हैं जिससे जिला पंचायत में उनकी सरकार बन सके। जनपद पंचायत में भी खड़गवां में भाजपा की सरकार नहीं बनने जा रही है अधिकांश जनपद सदस्य भाजपा समर्थित प्रत्याशी चुनाव हार गए हैं और यहां भी जनपद क्षेत्र में भी कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों की जीत हुई है। कुल मिलाकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में अब तक भाजपा का प्रदर्शन नवीन जिला एमसीबी में अच्छा नहीं है और आगे के बचे चुनाव में क्या होता है यह देखने वाली बात होगी जो दो विकासखंड और बचे जिला पंचायत क्षेत्र के लिए होने वाले चुनाव हैं।

खड़गवां जनपद पंचायत क्षेत्र के 12 में से 5 सीटों पर ही जीत सके भाजपा समर्थित प्रत्याशी

खड़गवां जनपद पंचायत अंतर्गत कुल 12 क्षेत्रों में से भाजपा समर्थित कुल 5 ही प्रत्याशी जीत सके। अन्य 7 जगहों पर जितने वाले या तो कांग्रेस समर्थित लोग हैं या बिना समर्थन प्राप्त अपने बल पर जितने वाले। भाजपा का जनपद सदस्यों के मामले में चुनाव अच्छा नहीं रहा। अब ऐसा क्यों हुआ क्यों भाजपा समर्थित प्रत्याशियों की हार हुई यह भाजपा के लिए विचारणीय है।

स्वास्थ्य मंत्री के खास और प्रदेश कार्य समिति सदस्य धनंजय पाण्डेय चुनाव हार गए...

स्वास्थ्य मंत्री के सबसे खास और प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा धनंजय पाण्डेय चुनाव हार गए। बता दें कि यह सबसे बड़ी हार मानी जा रही है क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री के साथ रहने वाले और उनके नौ रत्नों में से एक थे धन्नजय पाण्डेय।धनंजय पाण्डेय की हार की वजह को लेकर कई बाते सामने आ रही हैं जिसमें कुछ बातें खुद उन्हीं से जुड़ी सामने हैं।

पांच सदस्यों के साथ भी भाजपा बना सकती है जनपद में अपनी सरकार

वैसे सूत्रों की माने तो पांच सदस्यों के जीतकर आने के बाद भी भाजपा अपनी सरकार खड़गवां जनपद पंचायत में बना सकती है। बता दें कि जनपद सदस्यों की कुल संख्या 12 है और 7 बहुमत के लिए आवश्यक हैं और वह आकंड़ा भाजपा ने मंत्री श्याम बिहारी के नेतृत्व में जुटा लिया है। अब देखना है कि इस बात में कितनी सच्चाई है और क्या ऐसा संभव हो पाता है और भाजपा जनपद में सरकार बना पाती है।

जिला पंचायत के लिए भाजपा समर्थित दो प्रत्याशियों की हार उनकी ही विरोधी लहर की वजह से,चर्चा

भाजपा समर्थित दो जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी खुद चुनाव हार गए। वैसे यह हार मंत्री के लिए भी गिनी जा रही है उनकी लोकप्रियता पर भी प्रश्न उठ रहे हैं लेकिन बताया जा रहा और चर्चा भी है कि दोनों प्रत्याशियों की हार की वजह वह खुद हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह खुद के विरोधी लहर में चुनाव हार गईं उनके ऊपर जिला पंचायत अध्यक्ष रहते हुए क्षेत्र में नहीं रहना बराबर यह आरोप था वहीं जनपद अध्यक्ष रही सोनमति उर्रे पर भी इसी तरह का आरोप था कि वह जनपद में रहते हुए लोगों से दूर थीं।

CMYK

संक्षिप्त खेल खबर

न्यूज़ीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन पैर की चोट के कारण बाहर

कराची, 18 फरवरी 2025। न्यूज़ीलैंड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 अभियान से पहले एक और चोट

का झटका लगा है, क्योंकि तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन पैर की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। रविवार को कराची में अफगानिस्तान के खिलाफ अनौपचारिक अभ्यास मैच में गेंदबाजी करने के बाद फर्ग्यूसन को अपने दाहिने पैर में कुछ दर्द महसूस हुआ और प्रारंभिक चिकित्सा मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि वह पूरे टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पर्याप्त रूप से फिट नहीं होंगे।

सिनर के डोपिंग प्रतिबंध में अधिकांश खिलाड़ियों को पक्षपात महसूस होता है

नईदिल्ली, 18 फरवरी 2025। सर्बियाई टेनिस के महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने दावा किया है कि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर के तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध के मामले में पूरी प्रक्रिया को संभालने के तरीके से अधिकांश खिलाड़ी खुश नहीं हैं। सिनर ने विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी (वाडा) के साथ समझौता कर लिया है, जिसके तहत इतालवी खिलाड़ी पर तीन महीने का प्रतिबंध लगेगा।

वाडा ने स्वीकार किया है कि सिनर का धोखा देने का कोई इरादा नहीं था, और क्लोस्टेबोल के संपर्क में आने से उसका प्रदर्शन-बढ़ाने वाला कोई लाभ नहीं हुआ और यह उसके साथियों की लापरवाही के परिणामस्वरूप उसकी जानकारी के बिना हुआ।

जोकोविच ने दावा किया कि अधिकांश खिलाड़ियों का मानना है कि सिनर के साथ तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध में पक्षपात किया गया।

दुबई में टीम इंडिया का पहला मैच कल

» चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में कैसी होगी दुबई की पिच

» यहीं टीम इंडिया खेलेगी अपने मुकाबले

दुबई, 18 फरवरी 2025। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम एक बार फिर से सजधज कर तैयार है। वैसे तो चैंपियंस ट्रॉफी के ज्यादातर मुकाबले पाकिस्तान में होंगे, लेकिन टीम इंडिया अपने सारे मैच दुबई में खेलेगी। इस बीच सबसे बड़ा सवाल ये उभरकर सामने आ रहा है कि दुबई की पिच कैसी होगी। अभी हालांकि मैच में वक्त है, इसलिए पक्के तौर पर तो कुछ नहीं कहा जा सकता,लेकिन फिर भी अंदाजा लगाया जा रहा है।

आईएलटी 20 के कारण धीमी हो सकती है दुबई की पिच

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जिस मैदान पर टीम इंडिया अपने मुकाबले खेलेगी, वहां पर अभी कुछ ही दिन पहले तक आईएलटी20 लीग खेली जा रही थी। इसका आखिरी मैच 9 फरवरी को हुआ था। यानी करीब 11 दिन बाद यहीं पर फिर से मुकाबला होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि ये पिच धीमी होगी। जैसे जैसे मैच आगे बढ़ते जाएंगे पिच भी धीमी होती चली जाएगी। दुबई के पिच क्यूरेटर ने वैसे तो ज्यादा कुछ भी कहने

से इन्कार कर दिया, लेकिन फिर भी उनका कहना है कि उनके पास पिच तैयार करने के लिए जो करीब 10 दिन का वक्त है, उसमें वे बेहतर पिच तैयार कर देंगे।

दुबई में लंबे समय बाद खेला जाएगा कोई वनडे मुकाबला

टीम इंडिया दुबई में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी, इसके बाद 23 फरवरी को यहीं पर भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला भी होना है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट में पिच क्यूरेटर के हवाले से कहा गया है कि दुबई में वनडे के हिसाब से पिच तैयार की जा रही है। दुबई के इस मैदान पर पिछले दिनों टी20 मुकाबले तो खूब हुए हैं, लेकिन साल 2019 जून के बाद से लेकर अब तक वनडे मैच कम ही खेले गए हैं, इसलिए पिच और स्कोर के बारे में ज्यादा अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। लेकिन माना जा रहा है कि 250 से लेकर 300 तक का स्कोर ठीकठाक होगा। अगर स्कोर 300 के पार चला जाता है तो फिर जीत की खुशबू भी टीम को आनी शुरू हो जाएगी।

स्पिनर्स को मिली मदद को टीम इंडिया पड़ सकती है भारी

अगर दुबई की पिच धीमी होती है और स्पिनर्स के लिए मददगार साबित होती है तो इससे टीम इंडिया को फायदा हो सकता है। बीसीसीआई ने 15 खिलाड़ियों के स्क्वाड में कुल 5 स्पिनर्स को जगह दी है, इसमें स्पेशलिस्ट स्पिनर्स के साथ साथ ऑलराउंडर्स भी हैं, जो गेंद के साथ साथ बल्ले से भी अपना योगदान देंगे। वहीं पाकिस्तानी टीम यहां पर गच्चा खा सकती है। टीम इंडिया की टेंशन ये है कि जसप्रीत बुमराह टीम में नहीं है और उनकी भरपाई मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा करेंगे। हालांकि साफ है कि टीम इंडिया का स्पिन आक्रमण जितना शानदार है, वहीं पेस अटैक उतना नहीं है।

क्या सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ पाएंगे मोहम्मद शमी ?

» एक झटके में 3 खिलाड़ी होंगे पीछे

कराची, 18 फरवरी 2025। भारतीय टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपना मैच खेलने के लिए तैयार है। आईसीसी टूर्नामेंट का आगाज 19 फरवरी को कराची में होगा लेकिन टीम इंडिया 20 फरवरी को दुबई में अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इस मैच में वैसे तो टीम इंडिया का पलड़ा भारी नजर आ रहा है लेकिन बांग्लादेश की टीम भी जीत के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकना चाहेगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को जसप्रीत बुमराह का साथ नहीं मिल पाएगा। ऐसे में गेंदबाजी का सारा दारोमदार मोहम्मद शमी के कंधों पर होगा, जिन्होंने हाल ही में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की है। शमी 14 महीने से चोट के कारण मैदान से दूर थे और इसी महीने इंग्लैंड के खिलाफ टी 20 आई सीरीज में उनका

इंटरनेशनल क्रिकेट में कमबैक हुआ। हालांकि वापसी के बाद से शमी की गेंदबाजी वो धार नजर नहीं आई है, जिसके लिए वह जाने जाते हैं।

शमी के पास इतिहास रचने का मौका

बांग्लादेश के खिलाफ मोहम्मद शमी का मौका मिलना लगभग तय है। ऐसे में फैंस को शमी से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। इस मैच में शमी के निशाने पर सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड होगा। दरअसल, शमी बांग्लादेश के खिलाफ इतिहास रचने के काफी करीब हैं। अगर वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में 4 विकेट चटकाने में कामयाब रहते हैं, तो वह एक झटके में सचिन तेंदुलकर समेत 3 गेंदबाजों को पछाड़ते हुए बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन जाएंगे।

सचिन तेंदुलकर ने बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में 12 विकेट झटके हैं। जसप्रीत बुमराह और जहीर खान के भी नाम 12-12 विकेट चटकाने का रिकॉर्ड हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामलें में अजीत अगरकर पहले नंबर पर हैं। अगरकर के नाम बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में 16 विकेट हैं। दूसरे स्थान पर रवींद्र जडेजा हैं। जडेजा ने 14 विकेट अपनी झोली में किए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ वनडे में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाज

अजीत अगरकर- 16
रवींद्र जडेजा- 14
जसप्रीत बुमराह- 12
जहीर खान- 12
सचिन तेंदुलकर- 12
मोहम्मद शमी- 9
वीरेंद्र सहवाग- 9

मिस्ट्री और हिस्ट्री के फेर में टीम इंडिया

» रोहित शर्मा को करनी होगी माथापच्ची

नईदिल्ली, 18 फरवरी 2025। भारत और बांग्लादेश के महारथी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच की अपनी अपनी तैयारी में जुटे हैं। वैसे तो चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज 19 फरवरी से ही हो जाएगा, लेकिन भारतीय टीम के लिए इसकी शुरुआत 20 फरवरी से होगी, जब दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर मुकाबला खेला जाएगा। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के पास मौका है कि वे एक और आईसीसी खिताब अपने नाम करें, लेकिन उसके लिए उन्हें कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। खास तौर पर पहले मैच की प्लेइंग इलेवन क्या होगी, इसको लेकर जरूर उन्हें खासी माथापच्ची करनी होगी, क्योंकि उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि मिस्ट्री और हिस्ट्री में से किसे चुना जाए।

कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को लेकर सस्पेंस

मिस्ट्री और हिस्ट्री से हमारा मतलब वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव से है। भारतीय टीम जब 20 फरवरी को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेलने के लिए उतरेगी तो भारत की प्लेइंग इलेवन क्या होगी, ये तो सवाल रहेगा ही, लेकिन उससे भी मुश्किल प्रश्न ये होगा कि कुलदीप और वरुण में से किसे मौका दिया जाए। दरअसल वरुण चक्रवर्ती को एक मिस्ट्री स्पिनर माना जाता है, वहीं कुलदीप यादव ने हिस्ट्री यानी इतिहास में जो कुछ किया है, उसे भुलाया तो नहीं जा सकता।

टी 20 के बाद वनडे में भी वरुण के पास साबित करने का मौका

वरुण चक्रवर्ती ने साल 2021 के टी 20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला खेला था। ये वही मुकाबला है, जब टीम इंडिया को पाकिस्तान के हाथों शर्मनाक 10 विकेट से करारी हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में वरुण ने चार ओवर में 33 रन खर्च कर दिए थे। हालांकि वरुण चक्रतवीं वापसी के बाद कमाल की गेंदबाजी कर रहे हैं। भारतीय सरजमीं पर टी20 सीरीज में अंग्रेज बल्लेबाज वरुण के सामने नाचते हुए नजर आए और यही वजह रही कि उन्हें अचानक चैंपियंस ट्रॉफी की टीम इंडिया में जगह मिल गई। लेकिन क्या वे पहला मैच खेल पाएंगे, ये देखना होगा। टी20 क्रिकेट तो वरुण ने खूब खेला है, लेकिन क्या वे बड़े मंच पर खुद को वनडे में भी साबित कर पाएंगे। वरुण का वनडे करियर अभी अभी ही शुरू हुआ है। उन्होंने एक मैच खेलकर एक सफलता हासिल की है। क्या इसी आधार पर वे कुलदीप यादव को पछाड़कर प्लेइंग इलेवन में आ जाएंगे, ये देखना दिलचस्प होगा।

कुलदीप यादव को हल्के में लेना होगा गलत

बात अगर कुलदीप यादव की करें तो वे हाल ही में वापसी करने में कामयाब रहे हैं। कुलदीप यादव के अपार अनुभव है। 108 वनडे मैच खेलकर 174 विकेट चटकाए हैं। साथ ही अगर बांग्लादेश के खिलाफ की बात करें तो वहां भी वे कमाल करने में सफल रहे हैं, जबकि माना जाता है कि बांग्लादेश के बल्लेबाज स्पिनर्स को अच्छा खेल सकते हैं। बांग्लादेश के खिलाफ कुलदीप ने अब तक 4 मैच खेलकर 5 विकेट चटकाए हैं। वैसे बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में टीम इंडिया को ज्यादा दिक्कत नहीं होनी चाहिए, लेकिन ये एक तरह से पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से पहले की तैयारी होगी। पाकिस्तान के खिलाफ कुलदीप यादव के आंकड़े बेजोड़ हैं। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में कुलदीप यादव ने 6 मैच खेलकर 12 विकेट अपने नाम किए हैं। यानी हर मैच में कम से कम दो विकेट।

स्टेसी-एन ने स्मृति मंधाना की शानदार पारी को सराहा

वडोदरा, 18 फरवरी 2025। वेस्टइंडीज की पूर्व क्रिकेटर स्टेसी-एन किंग ने डब्ल्यूपीएल 2025 के मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना के शानदार प्रदर्शन की प्रशंसा की और कहा कि बाएं हाथ की इस खिलाड़ी ने एक सच्चे कप्तान की तरह आगे बढ़कर नेतृत्व किया।स्मृति ने 47 गेंदों पर 81 रनों की पारी खेली, जो डब्ल्यूपीएल में उनका सर्वोच्च स्कोर है, जिसकी बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से हराकर मौजूदा सत्र में अपना अजेय क्रम जारी रखा।

स्मृति ने बेहतरीन स्ट्रोकप्ले का प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने शानदार टाइमिंग के साथ-साथ शॉट्स को बेहतरीन तरीके से लगाया और 172.34 की स्ट्राइक रेट से अपनी पारी में दस चौके और तीन छक्के लगाए।

भारत को बुमराह की कमी बहुत खलेगी:शिखर धवन

नईदिल्ली, 18 फरवरी 2025। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी बहुत खलेगी।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट के कारण आठ टीमों के इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। उनकी जगह हर्षित राणा को भारतीय टीम में शामिल किया गया।

आईसीसी ने धवन के हवाले से कहा,आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी की वापसी होना बहुत अच्छा अहसास है। मुझे याद है कि जब मैंने 2013 में पहली बार इसमें खेला था, तो मुझे यह बहुत पसंद आया था और इस टूर्नामेंट को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है।बहुत सारी अटकलें और बहुत सारी भविष्यवाणियां हैं, जो मज़ेदार है, और मैं भारत से आगे नहीं देख सकता। मुझे उन पर पूरा भरोसा है,

उनके पास एक ठोस टीम है और उन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ़ वनडे सीरीज़ में बहुत अच्छा खेला। उन्होंने कहा, मेरी चिंता यह है कि उन्हें जसप्रीत बुमराह की कमी खलेगी, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनकी कमी खलेगी और मुझे लगता है कि वे इसे बहुत दृढ़ता से महसूस करेंगे।

बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि बुमराह अपने अनूठी गेंदबाजी एक्शन और सटीकता के कारण प्रमुख आईसीसी आयोजनों में किसी भी टीम के लिए एक महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। मेरे लिए, वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ हैं, और उनकी सटीकता को दोहराना मुश्किल है। वह बहुत शांत स्वभाव का है और इस तरह के बड़े आईसीसी इवेंट में यह बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि, धवन ने हाल ही में समाप्त हुई सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल डेब्यू करने के बाद दुबई में हर्षित के शानदार प्रदर्शन पर भरोसा जताया। उन्होंने तीन वनडे सहित चार मैचों में नौ विकेट लिए।

गले में रुद्राक्ष की माला,सिर पर पगड़ी और हाथ में गड़ासा

पहली बार दिखा सुनील शेट्टी का ऐसा अवतार

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर **'केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ'** का टीजर रिलीज हो गया है, जिसमें दमदार एक्शन और हाई-ऑक्टेन सीक्वेंस भरे हुए हैं। यह ऐतिहासिक ड्रामा उन वीर योद्धाओं की कहानी बयां करता है, जिन्होंने 14 वीं शताब्दी में आक्रमणकारियों से प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।

टीजर में कई रोमांचक पल देखने को मिलते हैं, लेकिन सबसे खास बात यह है कि सुनील शेट्टी तीन साल बाद 'केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' के साथ बड़े पर्दे पर दमदार वापसी कर रहे हैं। आखिरी बार वह 2022 में रिलीज हुई फिल्म 'घनी' में नजर आए थे और अब वह एक ऐतिहासिक रोमांच और साहसिक यात्रा पर अपने प्रशंसकों को लेकर जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सुनील शेट्टी, फिल्म में वेगड़ा की भूमिका निभा रहे हैं। टीजर में सुनील शेट्टी जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस में नजर आते हैं। उनकी दमदार और प्रभावशाली अदाकारी कहानी में जान डाल देती है। सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़ी गई ऐतिहासिक लड़ाई में उनका किरदार एक अहम भूमिका निभाता है। इस रोल में वो फिल्म की रिलीज से पहले की गहरा प्रभाव छोड़ रहे हैं।

एक ऐतिहासिक योद्धा के रूप में उनका यह रूप फिल्म को और भी प्रामाणिकता प्रदान करता है। योद्धा के परिधान में सुनील शेट्टी अपने किरदार में रॉ इंटेंसिटी लाते हैं, जिससे वह एक बार फिर साबित करते हैं कि भारतीय सिनेमा में वह आज भी एक बड़ी शक्ति हैं। पहली बार सुनील शेट्टी इस तरह के ऐतिहासिक किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ ही ये दर्शकों के लिए भी पूरी तरह नया अनुभव होगा।अपने दशकों लंबे करियर में सुनील शेट्टी ने खुद को लगातार एक बेहतरीन कलाकार के रूप में विकसित किया है, और 'केसरी वीर- लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में उनकी भूमिका एक बार फिर उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शकों के सामने लाने का वादा करती है। फिल्म में सुनील शेट्टी और सूरज पंचोली मुख्य किरदारों में हैं, जबकि विवेक ओबेरॉय जफर नामक खलनायक की भूमिका में दिखाई देंगे, जो फिल्म की कहानी में और अधिक गहराई जोड़ते हैं।

इस पीरियड ड्रामा में आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। वह सूरज पंचोली के साथ रोमांटिक किरदार निभा रही हैं। प्रिंस धीमान के निर्देशन में बनी और कानू चौहान द्वारा चौहान स्टूडियो के तहत निर्मित **'केसरी वीरः लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ'** एक भव्य सिनेमाई अनुभव होने जा रही है। यह फिल्म पूरे भारत में कई भाषाओं में रिलीज होगी और 14 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मुझे दुख पहुंचाने का किसी को अधिकार नहीं: ईशा मालवीय

अभिनेत्री ईशा मालवीय ने सोशल मीडिया पर नकारात्मकता का सामना करने के बारे में बात की। उन्होंने ट्रोल करने वालों को करारा जवाब देते हुए कहा कि वह उन्हें अपने जीवन का हिस्सा नहीं मानतीं और वह अब किसी को भी दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देतीं।सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेत्री ने कहा, मैं इन लोगों को अपने जीवन का हिस्सा भी नहीं मानती। व्यक्तिगत रूप से मैं किसी की पोस्ट पर नकारात्मक या सकारात्मक कमेंट करने में अपना समय बर्बाद नहीं करूंगी। यह बेकार है। लेकिन कुछ लोगों के पास नकारात्मक कमेंट करने के लिए इतना समय और एनर्जी होती है। मैं सच में नहीं समझ पाती कि वे इतने स्वतंत्र कैसे और क्यों हैं?अभिनेत्री ने कहा कि ऐसे दिन भी आते हैं, जब वह उदास महसूस करती हैं और ऐसे में वह अपने माता-पिता से बात करना पसंद करती हैं।उन्होंने कहा, मैं अब किसी को भी मुझे दुख पहुंचाने का अधिकार नहीं देती। अब मैं ही एकमात्र व्यक्ति हूं, जो खुद को दुख पहुंचा सकती हूं। पहले मैंने लोगों को मुझे दुख पहुंचाने की अनुमति दी थी, लेकिन अब ऐसा नहीं है।उन्होंने कहा कि वह अपनी जिंदगी में माता-पिता के साथ दादी को महत्वपूर्ण स्थान देती हैं। उन्होंने कहा, अभी भी ऐसे दिन हैं, जब आपको लगता है कि आपको किसी की जरूरत है और मेरे लिए वह मेरी मां, पिता और मेरी दादी मां हैं।जब उनसे पूछा गया कि वह सुर्खियों में रहने के बाद अपनी पर्सनल लाइफ को कैसे मैनेज करती हैं तो ईशा ने कहा, जब आप एक सेलिब्रिटी होते हैं और लगातार लोगों की नजरों में रहते हैं, तो आपका जीवन निजी नहीं रह जाता है। लोग आपके बारे में जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। ऐसे में आप जो भी करते हैं या जीवन में जो भी करना चाहते हैं, उसे लेकर आपको सावधान रहना होगा। कई बार मैं घर पर केवल आराम करना चाहती हूं।ईशा ने आगे कहा, मैं अपने आस-पास किसी भी पपराजी को नहीं चाहती। मैं बस अपने परिवार या स्कूल के दोस्तों के साथ रहना चाहती हूं, जो इस इंडस्ट्री से नहीं हैं। ऐसे दिन भी होते हैं, जब मुझे अपनी प्राइवेसी का सम्मान करने और उसे बनाए रखने की जरूरत महसूस होती है।

CMYK

करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी में खलबली

कुलदीप जुनेजा ने दीपक से मांगा इस्तीफा

- दीपक बैज अध्यक्ष रहेंगे तो नहीं जाऊंगा राजीव भवन...
- कांग्रेस के ही पूर्व विधायक ने खोला मोर्चा...
- नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार...
- 10 नगर निगमों में बीजेपी का परचम...

रायपुर,18 फरवरी 2025(ए) छत्तीसगढ़ में हाल ही में हुए नगरीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस चुनाव में कांग्रेस एक भी नगर निगम नहीं जीत पाई। 10 नगर निगमों में बीजेपी का परचम लहराया है। इतना ही नहीं नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों में भाजपा का जलवा देखने को मिला। कांग्रेस की इस करारी हार के बाद पार्टी अंदरूनी कलह भी सामने आने लगी है। रायपुर उत्तर से पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने अपनी ही पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि आलाकमान को प्रदेश नेतृत्व में बदलाव करना चाहिए। अगर दीपक बैज अध्यक्ष बने रहेंगे तो मैं राजीव भवन जाना बंद कर दूंगा। उन्होंने कहा कि मैं अपनी बात रखने दिल्ली भी जाऊंगा।

यह पहला मौका नहीं है, जब कोई कांग्रेस नेता अपनी ही पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोला है। इससे पहले पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा था कि हम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी चीफ दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के कारण चुनाव हारे हैं। चारों नेताओं को अब हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के चारों बड़े नेताओं के बीच आपसी समन्वय नहीं था। चारों नेताओं ने अपना-अपना क्षेत्र बांट लिया था। कांग्रेस के दूसरे पंक्ति के नेताओं को सामने लाना था, लेकिन नहीं ला पाएं।

प्रदेश में गरमाई सियासत

कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश में नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहट चल रही है। कई बड़े नेता इसकी मांग कर चुके हैं। अब इसे लेकर प्रदेश में जमकर सियासत भी हो रही है। रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस पूरी तरह बिखर चुकी है।

कांग्रेस कार्यकर्ता समझ नहीं पा रहे कि पार्टी किसकी है? भूपेश, महंत, सिंहदेव या दीपक बैज की पार्टी है? कांग्रेस लगातार शून्य की ओर बढ़ रही है। कांग्रेस से जनता तो दूर हुए अब कार्यकर्ता भी दूर होंगे।

कुलदीप जुनेजा को कांग्रेस ने थमाया नोटिस

पार्टी विरोधी बयानबाजी का मामला

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ बयानबाजी करना पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा को भारी पड़ गया। पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी किया है। प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू ने कुलदीप जुनेजा नोटिस जारी कर तीन दिन के भीतर जवाब मांगा है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

सीएम साय 22 फरवरी को लेंगे कैबिनेट बैठक

रायपुर,18 फरवरी 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक 22 फरवरी को रखी गई है। विधानसभा के बजट सत्र से पहले हो रही इस बैठक में कैबिनेट में सत्र के दौरान पेश किए जाने वाले विधेयकों पर चर्चा हो सकती है। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के बाद यह कैबिनेट की पहली बैठक होगी।

छत्तीसगढ़ में नया दुकान एवं स्थापना अधिनियम लागू

रायपुर,18 फरवरी 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार ने छोटे दुकानदारों को राहत और कर्मचारियों के अधिकारों के संरक्षण के लिए छत्तीसगढ़ दुकान एवं स्थापना (नियोजन एवं सेवा की शर्तों का विनियमन) अधिनियम, 2017 और नियम 2021 को पूरे राज्य में लागू कर दिया है। इसके साथ ही पुराना अधिनियम 1958 और नियम 1959 को निरस्त कर दिया गया है। श्रम विभाग के अनुसार, नया अधिनियम पूरे राज्य में लागू होगा।

मुख्यमंत्री साय के समधी ने जिला पंचायत चुनाव में मारी बाजी

धमतरी,18 फरवरी 2025(ए)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भी भाजपा का जलवा है। धमतरी जिले की 6 में से 5 सीटों पर बीजेपी ने जीत का परचम लहराया है. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समधी टीकाराम कंवर भी धमतरी जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीत गए हैं।

एफआईआर दर्ज करने के 10 साल बाद भी चार्जशीट दाखिल नहीं कर पाई पुलिस

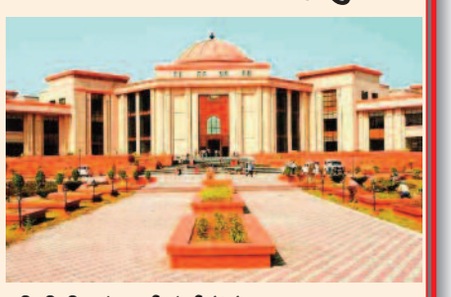

डीजीपी को हाईकोर्ट में देना पड़ा हलफनामा

बिलासपुर,18 फरवरी 2025(ए)। पुलिस विभाग की जांच प्रक्रिया में बेवजह देरी का मामला कोई नया नहीं है, मगर ऐसे ही एक मामले में हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है, जिसमें छत्तीसगढ़ की पुलिस दस वर्षों तक एक सह-आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही। इसके चलते आरोपी ने एफआईआर रद्द करने की मांग को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में हुई, जहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को शपथ पत्र प्रस्तुत कर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया। इस लापरवाही के कारण एक दर्जन से अधिक पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी भी दी गई है।

पंचायत चुनाव में समर्थन न मिलने से नाराज जिला कांग्रेस नेता ने छोड़ी पार्टी

राजनांदगांव,18 फरवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में पंचायत चुनाव की तैयारियों के बीच कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण अध्यक्ष भागवत साहू ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना त्यागपत्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज को सौंपा है। भागवत साहू ने यह कदम जिला पंचायत सदस्य चुनाव में पार्टी से समर्थन न मिलने के कारण उठाया है।

अपनी ही पार्टी के विधायक अटल के निष्कासन की जिला कांग्रेस कमेटी ने की अनुशंसा

बिलासपुर,18 फरवरी 2025(ए)।छत्तीसगढ़ की न्यायधानी में कांग्रेस पार्टी की छवि काफी विवादास्पद हो चली है। यहां एक के बाद एक कई ऐसे घटनाक्रम हुए हैं, जिसको लेकर पार्टी की काफी बदनामी हो रही है। नगरीय निकाय चुनाव के परिणाम के बाद सबसे पहले यहां के प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता अभय नारायण राय को और उसके बाद त्रिलोक श्रीवास को पार्टी से निष्कासित करने की घोषणा कर दी गई।

सील करने निकली टीम खाली हाथ लौटी

मामला क्वीन क्लब का 76 लाख संपत्ति-कर बकाया का...

रायपुर,18 फरवरी 2025 (ए)। व्हीआईपी रोड स्थित क्वीन क्लब को सील करने निक्ली टीम मंगलवार को खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा। दरअसल, क्लब का 76 लाख रूपए का संपत्ति कर लंबे समय से बकाया हैाक्लब सील करने का आदेश लेकर निक्ला निगम अमला बिना किसी कार्रवाई के वापस लौट गया और किसी को भनक तक नहीं लगी।पूरा मामला मंगलवार दोपहर का है जब निगम का राजस्व अमला क्लब में कार्रवाई करने निकला था। निगम की टीम क्लब तो पहुंची लेकिन कोई कार्रवाई किए बिना ही उन्हें वापस लौटना पड़ा। 76 लाख रूपए की बकाया राशि न चुकाने के एवज में क्लब को सील करने पहुंची टीम केवल एक मौखिक आश्वासन पर वापस लौट गई। यह आश्वासन था हाउसिंग बोर्ड के कार्यपालन अभियंता यानी ईई का और पूरी टीम, मात्र ईई के आश्वासन पर वापस लौट गई।

जिन्हें बड़ी धनराशि मिली उन्ही पार्षद प्रत्याशियों ने जीता चुनाव

टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान

रायपुर,18 फरवरी 2025(ए)। कांग्रेस की हार को लेकर राज्य के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पराजय के पीछे कई अहम कारण हैं, जिनमें एंटी-इनकंबेंसी, परिसीमन और वोटर लिस्ट की खामियां प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी और संसाधनों का भरपूर उपयोग किया। बिलासपुर के कार्यकर्ताओं से मिली जानकारी का हवाला देते हुए सिंहदेव ने कहा कि भाजपा ने अपने प्रत्याशियों के खातों में एक-एक लाख रुपये जमा करवाए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने पहले कभी नहीं सुना था कि पार्षद चुनाव में इतनी बड़ी धनराशि दी जाती है। इस चुनाव में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा, और सभी 10 नगर निगमों पर भाजपा ने कब्जा कर लिया। इस अप्रत्याशित पराजय से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में असंतोष व्याप्त हो गया है। पार्टी के अंदर ही हार के कारणों को लेकर गहरी नाराजगी देखी जा रही है।

सीबीएसई 5 वीं 8 वीं बोर्ड परीक्षा पर घमासान

हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग से मांगा जवाब

रायपुर,18 फरवरी 2025(ए)। सीबीएसई स्कूल पांचवीं आठवीं बोर्ड परीक्षा का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में सीजी बोर्ड से मान्यता के बावजूद सीबीएसई पैटर्न पढ़ाने को लेकर विरोध शुरू हो गया है। इस पर कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विकास तिवारी ने आपत्ति जताई है। विकास तिवारी के मुताबिक जब मान्यता सीजी बोर्ड से मिली थी तो उन स्कूलों में मोटी रकम फीस लेकर प्राइवेट किताबें क्यों पढ़ाई गई। जबकि सरकार उन्हें सीजी बोर्ड की निःशुल्क किताब उपलब्ध करा रही थी।

शिक्षा विभाग पर मनमानी का आरोप

वहीं इस मामले में निजी स्कूल एसोसिएशन का कहना है कि उन्होंने पहले ही शिक्षा विभाग को लिखकर दिया था कि वो सीजी समग्र एवं

मूल्यांकन पैटर्न पर बच्चों को पढ़ाएंगे.लेकिन अब बीच सत्र में सीजी बोर्ड पांचवीं और आठवीं की परीक्षा आयोजित कर शिक्षा विभाग मनमानी करने पर आमादा है। इस मामले को लेकर भी उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। जहां कोर्ट ने कर्नाटक के मामले को लेकर हुए निर्णय का हवाला देते हुए राज्य सरकार से पूछा है कि हम ऐसा क्यों नहीं कर सकते. जवाब देने के लिए 10 दिन का समय दिया गया है।

हाईकोर्ट ने 10 दिन में मांगा जवाब

इस मामले को लेकर सीबीएसई स्कूल ने हाईकोर्ट का रुख किया था। जहां हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग से 10 दिन में जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने पूछा कि जब कर्नाटक में बीच सत्र में इस तरह का निर्णय लिया गया था, तो उसका भी एक आदेश आया था। उस आदेश के तहत छत्तीसगढ़ शिक्षा विभाग निर्णय क्यों नहीं ले सकता। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद सीबीएसई स्कूलों ने थोड़ी राहत की सांस ली है लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि उन्हें पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा देनी है या नहीं। हालांकि शिक्षा विभाग का साफ कहना है कि शासकीय स्कूल, निजी और सीबीएसई स्कूल सभी में पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षाएं होने जा रही है, जिसकी तैयारी में वह जुट गए हैं।

बैंड बजाने पहुंचे युवक की दर्दनाक मौत,मचा हड़कंप

बालोद,18 फरवरी 2025 (ए)। जिले के सनौद गांव में सोमवार की रात शादी समारोह के दौरान बैंड बजाने पहुंचे एक युवक को करंट लगने से हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि टेंट के लोहे के फ्रेम में करंट प्रवाहित हो रहा था, जिसे छूते ही युवक झुलस गया। इसके बाद मौके पर मौजूद लोग तुरंत उसे धमतरी के जिला अस्पताल ले गए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। आज पुलिस ने युवक के शव का पोस्टमार्टम कर उसे परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच में जुट गई है।मृतक की पहचान फलेश्वर यादव (घोघोपुरी निवासी) के रूप में हुई है। वह शादी समारोह में बाजा बजाने सनौद गांव आया हुआ था। बताया जा रहा है कि पंडाल में लगाए गए टेंट के लोहे के पाइप में कहीं से करंट आ गया, जिससे यह दर्दनाक हादसा हुआ। करंट लगते ही युवक जोर से चिल्लाया और मौके पर बेहोश होकर गिर पड़ा। साथी कलाकारों और ग्रामीणों ने उसे तुरंत धमतरी जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद शादी की खुशियां मातम में बदल गई। ग्रामीणों ने लापरवाही को लेकर नाराजगी जताई है। वहीं पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और टेंट में करंट आने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

शराब घोटाला मामले पर

ईडी ने 4 मार्च तक बढ़ाई न्यायिक रिमांड

कवासी ने विधानसभा सत्र में शामिल होने मांगी अनुमति

रायपुर,18 फरवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के चर्चित 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में गिरफ्तार पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय की स्पेशल कोर्ट में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उनकी पेशी हुई, जहां सुनवाई के बाद कोर्ट ने उनकी न्यायिक रिमांड 4 मार्च तक बढ़ा दी है।

धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल

97 लोग हिरासत में प्रार्थना सभा करवाने वाले डॉ. सहित तीन गिरफ्तार

दुर्ग,18 फरवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के अमलेश्वर में धर्मांतरण को लेकर जमकर बवाल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में 97 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। अमलेश्वर में धर्मांतरण के मुद्दे पर हिंदू संगठनों ने जमकर बवाल किया। उन्होंने एक विशेष समुदाय के लोगों पर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाते हुए उनके घर को घेर लिया था।

बड़े सेक्स रैकेट का खुलासा

- दो महिलाओं सहित 17 गिरफ्तार
- अंतरराष्ट्रीय सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

रायपुर,18 फरवरी 2025 (ए)। रायपुर में एक बड़े सेक्स रैकेट का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने देह व्यापार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 17 दलालों को गिरफ्तार किया है, जिनमें महिला दलाल भी शामिल हैं। देह व्यापार के लिए आरोपी अलग-अलग राज्यों सहित विदेशी युवतियों को रायपुर बुलाते थे। लोकेंटो ऐप के जरिए ग्राहकों को युवतियों की तस्वीरें और रेट भेजकर जिस्म के धंधे का संचालन करते थे। पुलिस ने इस कार्रवाई में मास्टरमाइंड जुगल कुमार राय को 24 परगना पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया है, जो इस पूरे गिरोह का संचालन कर रहा था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)